हरिभूमि
रायपुर भूमि

रैली ने रोका रास्ता, पर इंतजाम अच्छा इसलिए नहीं लगा लंबा जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन बिल पास नहीं होने के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने जनआक्रोष रैली तथा सभा का आयोजन किया। प्रदर्शन में हजारों की संख्या में राज्य के अलग-अलग जिलों से भाजपा की महिला कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचीं। कार्यक्रम स्थल पहुंच मार्ग की सभी दिशाओं में ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की थी। ट्रैफिक पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था से शाम के समय पांच से छह बजे के बीच थोड़ी जाम की स्थिति निर्मित रही। अनुमान के मुताबिक 12 से शाम 6 बजे तक लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसने की आशंका जताई जा रही थी। इसके विपरीत दोपहर 12 से शाम चार बजे तक जिन मार्गों पर ट्रैफिक जाम की आशंका व्यक्त की जा रही थी, वैसा कुछ नहीं हुआ। अन्य जिलों से प्रदर्शन में शामिल होने आने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने वाहन पार्किंग के लिए दानी स्कूल, सालेम स्कूल, जेएन पाण्डेय स्कूल, गॉस मेमोरियल ग्राउंड, सेंट पॉल चर्च, बूढ़ातालाब के चारों तरफ परिक्रमा पथ से सटी खाली जगहों पर ▶▶| शेष पेज 13 पर

पूरे समय सामान्य आवाजाही

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने इंडोर स्टेडियम पहुंच मार्ग जाने बूढ़ेश्वर चौक से बिजली ऑफिस चौक, गणेश मंदिर तिराहा से सदानी चौक, महिला थाना चौक, कोतवाली चौक, बंजारी चौक में बैरिकेडिंग की थी। बैरिकेडिंग के पास शाम चार बजे तक सामान्य आवाजाही होती रही। तेज गर्मी की वजह से भी दोपहर के समय ट्रैफिक का दबाव कम होने की वजह से जाम की स्थिति निर्मित नहीं हो पाई। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद शाम पांच से छह बजे के बीच सुभाष स्टेडियम तथा उससे सटे मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव रहा।

- रैली में शामिल होने आई महिलाएं खुद छांव के लिए जगह तलाशती दिखीं
- कार्यक्रम स्थल के आसपास एक दर्जन स्थानों पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था
- ट्रैफिक पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था से लोगों को मिली राहत

खबर संक्षेप

सटोरिया बाबू खेमानी जेल दाखिल

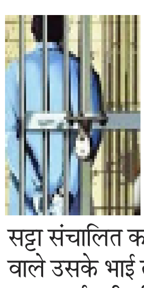

रायपुर। करोड़ों रुपए का ऑनलाइन सट्टा संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार बाबू खेमानी को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया है। बाबू खेमानी के साथ सट्टा संचालित करने में मदद करने वाले उसके भाई तथा एक अन्य फरार कर्मचारी की पुलिस पतासाजी कर रही है। पुलिस पूछताछ में बाबू ने सट्टे को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पूछताछ में बाबू के संपर्क में रहने वाले कई बड़े कोराबारियों की जानकारी पुलिस को मिली है।

आईपीएल सट्टा खिलाते धरे गए तीन सटोरिए

रायपुर। राजेंद्र नगर पुलिस ने सट्टा संचालित करने के आरोप में तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सटोरिये आईपीएल क्रिकेट मैच में अपने मोबाइल से ऑनलाइन सट्टा संचालित करते पकड़े गए हैं। सट्टा संचालित करने के आरोप में पुलिस ने अनिल रंगतानी, दिन्नांशु रंगतानी तथा हर्षित मोटवानी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सटोरियों के कब्जे से पुलिस ने चार मोबाइल के साथ दस हजार रुपए भी जब्त किए हैं।

मस्जिद परिसर में चोरी दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर पुलिस ने मस्जिद परिसर में चोरी करने के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की लिफ्ट प्लेट, हैंडल, वायर सहित अन्य सामान जब्त किए हैं। फिरोज गांधी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी के आरोप में अर्जित देवार, शत्रुघन उर्फ बठवा देवार को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने 17 अप्रैल को तड़के चार से पांच बजे के बीच चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

आपसी रंजिश पर रास्ते में रोककर मारपीट

रायपुर। कबीर नगर थाना में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ आपसी रंजिश के चलते रास्ते में रोककर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सोनडोंगरी, देवार मोहल्ला निवासी अरुण कुमार पवार ने महावीर यादव के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अरुण ने पुलिस को बताया कि आपसी रंजिश के चलते महावीर ने उसे रास्ते में रोककर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

प्यास इतनी कि रोज 300 एमएलडी पानी गटक जा रहे शहरवासी

गर्मी ने उड़ाए होश, 150 क्यूसेक नहीं, अब गंगरेल से रोज चाहिए 200 क्यूसेक पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेज गर्मी से झुलस रहे शहरवासियों का गला तर करने 150 क्यूसेक पानी कम पड़ने लगा है, अब हर रोज 200 क्यूसेक रॉ वाटर चाहिए। नगर निगम के जल विभाग ने सिंचाई विभाग से 200 क्यूसेक पानी छोड़ने की मांग कर दी है। मांग के अनुरूप गंगरेल डेम से इसकी आपूर्ति शुरू हो गई है, जबकि पखवाड़ेभर पहले ऐसी नौबत नहीं थी, तब शहर की प्यास बुझाने 150 क्यूसेक रॉ वाटर पर्याप्त हुआ करता था, इधर नगर निगम के भाठागांव एनीकट का वाटर लेवल भी 6 इंच डाउन हो गया है।

- भाठागांव एनीकट 6 इंच डाउन, हर महीने 1 करोड़ 10 लाख का रॉ वाटर खरीद रहा नगर निगम

रायपुर का पारा 44 डिग्री से पार होते ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इसका असर रोजमर्रा की जल आपूर्ति पर दिखने लगा है। गंगरेल बांध से पहले 150 क्यूसेक रॉ वाटर की आपूर्ति हो रही थी, पर गर्मी बढ़ने से पानी की मांग बढ़कर 200 क्यूसेक तक जा पहुंची है। यानी शहरवासियों को अब हर रोज 200 क्यूसेक पानी चाहिए। शहर की 15 लाख आबादी की प्यास बुझाने तथा निस्तारी के लिए नगर निगम के जल विभाग ने सिंचाई विभाग से पानी की डिमांड बढ़ा दी है। मार्च तक शहर में ▶▶| शेष पेज 13 पर

गंगरेल डेम में शहर के लिए 3.15 टीएमसी पानी सुरक्षित

नगर निगम के जल विभाग ने जल संसाधन विभाग के साथ राजधानीवासियों के पेयजल की डिमांड को ध्यान में रखते हुए 15 साल का एग्रीमेंट वर्ष 2015 में किया है। इसके मुताबिक गंगरेल डेम में शहर के लिए 3.15 टीएमसी रॉ वाटर प्रति वर्ष के हिसाब से रिजर्व रखा गया है। इससे शहरवासियों को वर्ष 2030 तक पीने के पानी की किसी तरह से दिक्कत नहीं होगी। 2030 में इस अनुबंध को आवश्यकता अनुसार 15 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। फिल्टर प्लांट के प्रभारी अधिकारी नरसिंग फरेंद्र ने हरिभूमि को बताया शहर के विस्तार और भविष्य में पानी की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने शासन को पत्र लिखा है, कि गंगरेल डेम से शहर के रिजर्व रॉ वाटर की मात्रा 3.15 टीएमसी को बढ़ाकर 4 टीएमसी की जावे।

दीक्षा नगर और खम्हारडीह में बन रही 2 नई पानी टंकी

रायपुर पश्चिम के ठक्करबापा वार्ड के दीक्षा नगर में 2100 किलोलीटर क्षमता की नई पानी टंकी बनवाई जा रही है। इस पानी टंकी के बनने से ठक्करबापा वार्ड के आधा दर्जन रहवासी इलाकों में आने वाले गर्मी सीजन में पानी की समस्या से निजात मिलेगी। 23 करोड़ 68 लाख की लागत से निर्माणाधीन पानी टंकी बनने से दीक्षा नगर, प्रेमनगर, पावर्ती नगर, गुरू घासीदास नगर, अंजलि विहार, सुख विहार, देव विहार के रहवासियों को बारह महीने भरपूर पानी मिलने लगेगा। इसी तरह नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड के खम्हारडीह इलाके में दूसरी नई पानी टंकी बनाने ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी तय की गई है। टंकी निर्माण से इस वार्ड के गायत्रीनगर, खम्हारडीह बस्ती, गणेश नगर, गीतांजलि नगर, सेल टैक्स कालोनी, कचना की हाउसिंग बोर्ड कालोनी, श्रीराम नगर फेज और नीलांचल विहार, वृंदावन कालोनी में पानी की समस्या दूर होगी।

भाठागांव में पाइप लाइन फूटी सड़क पर फिजूल में बहा पानी

राजधानी के भाठागांव इलाके में पानी टंकी की पाइप लाइन फूटने से पीने का शुद्ध पानी फौवारे की तरह सड़क पर घंटों बहता रहा। सुबह के समय मुख्य मार्ग की सड़क पर अचानक इस घटना को देखकर लोग हैरत में पड़ गए। तेज दबाव के साथ पानी बहने से आसपास के इलाकों में कुछ देर के लिए पानी भर गया। इससे लोगों को आने-जाने में भी परेशानी हुई। बाद में सूचना में मिलने पर जल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्लांट बंद कर एयर रिलीज कर स्थिति संभाली।

नगर निगम जोन 6 क्षेत्र के भाठागांव इलाके में महावीर स्वीट्स के पास सोमवार सुबह 8 बजे मुख्य मार्ग पर पाइप लाइन फूटने से तेज बहाव के साथ सड़क पर पानी बहने लगा। लोगों के मुताबिक काफी देर यह पानी फिजूल में बहता रहा। लोगों ने इसकी सूचना नगर निगम को दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे जल विभाग के अधिकारी ने स्थल का निरीक्षण किया, तो उन्होंने पाया कि टंकी का एयर वॉल्व बंद हो गया है, जिसके कारण तेज बहाव के साथ पीने का शुद्ध पानी सड़क पर बह रहा है।

सुबह के समय मुख्य मार्ग की सड़क पर फौवारा फूटता देख हैरत में पड़ गए लोग

एयरवाल्व बंद, पानी की फिजूल में बरबादी, निगम वाले पहुंचे, प्लांट बंद कर किया एयर रिलीज

62% आवेदनों की ही जांच, शेष छात्र आरटीई लॉटरी के इंतजार में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

शिक्षा के अधिकार के तहत गरीब बच्चों के एडमिशन में हो रही देरी को हाईकोर्ट ने मामले में संज्ञान लिया था। इस पर शासन की ओर से कहा गया कि पहले चरण की लाटरी निकाल ली गई हैं। इसमें 15 हजार छात्रों को सीटे अलॉट हुई हैं। इन्हें एक मई से 30 मई तक एडमिशन लेना होगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी होगी। हाईकोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि ऐसे में तो अगस्त तक सिर्फ एडमिशन होगा तो बच्चे पढ़ाई कब करेंगे। कोर्ट ने शिक्षा विभाग से 7 मई से पहले पूरी प्रक्रिया और एडमिशन जल्द हो इसकी कार्ययोजना मांगी है।

- आरटीई के तहत गरीब बच्चों के एडमिशन में हो रही देरी को कोर्ट ने संज्ञान लिया

गौरतलब है, इस मामले को हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। हाईकोर्ट ने संज्ञान लेते हुए शिक्षा सचिव से जानकारी मांगी थी। दरअसल प्रदेश में नया शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया, लेकिन आरटीई के तहत पहली कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया धीमी है। 38,438 आवेदनों में से अब तक केवल 23,766 (62%) की ही जांच पूरी हुई है, जबकि 14 हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं। कई जिलों में 10% से भी कम जांच हो पाई है। डीपीआई ने पंजीयन और नोडल वेरीफिकेशन के लिए 16 फरवरी से 31 मार्च तक समय तय किया था, लेकिन डेडलाइन के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है।

बीत जाएगा अगस्त

ध्यान रहे कि एडमिशन प्रक्रिया पर नजर डालें तो आरटीई के तहत छात्र पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च रखी गई थी। काउसंलिंग प्रक्रिया में 13 से 17 अप्रैल तक लॉटरी एवं आवंटन किया गया। इसके बाद छात्रों को 1 से 30 मई तक प्रवेश लेने होंगे। द्वितीय चरण की प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो जाएगी। जिसमें नए स्कूलों का रजिस्ट्रेशन होगा। उसके बाद 1 से 11 जुलाई तक छात्र पंजीयन होंगे। फिर 27 से 31 जुलाई तक लॉटरी एवं आवंटन होगा। जिसके बाद छात्रों को स्कूल में दाखिला 3 से 17 अगस्त तक लेना होगी।

रायपुर, बिलासपुर में ही होड़

गौरतलब है कि राज्य के 6861 स्कूलों में कुल 21,698 सीटों के मुकाबले 38,438 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यानी औसतन हर सीट पर करीब 1.77 आवेदन आए हैं, लेकिन यह औसत तस्वीर वास्तविक असंतुलन को छुपा देती है, क्योंकि कई जिलों में सीटों से कई गुना ज्यादा आवेदन हैं, जबकि कुछ जिलों में सीटें खाली रहने की नौबत है। राज्य के 33 जिलों में से 11 जिले ऐसे हैं जहां सीटों से कम आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी जिलों के डेटा को देखा जाए तो रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में सीट के लिए होड़ है तो बस्तर क्षेत्र में सीटें खाली रहने की आशंका है।

स्कूलों में अब बनेंगे कम्पोजिट स्किल लैब्स छात्र करेंगे इंटर्नशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीबीएसई अब पढ़ाई के तरीकों में एक बड़ा बदलाव ला रहा है। नए सत्र से सीबीएसई किताबी और रट्टू ज्ञान के बजाय प्रैक्टिकल नॉलेज पर फोकस करेगा। अब स्कूलों में ऐसी लैब्स होंगी, जहां छात्र अपने हाथों से काम सीखेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सीबीएसई ने सभी स्कूलों में 'कम्पोजिट स्किल लैब्स' अनिवार्य कर दिया है। अर्थात छात्र सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि ऐसी स्किल्स सीखेंगे जो उन्हें भविष्य के लिए तैयारी करेंगी। आसान शब्दों में कहें तो, ये लैब्स ऐसी जगह होंगी जहां स्टूडेंट्स को किताबी बातों का प्रैक्टिकल अनुभव मिलेगा। सीबीएसई चाहता है कि बच्चे स्कूल से ही मशीनों, टेक्नोलॉजी और इंसानी सेवाओं से जुड़ी स्किल्स सीखें। ▶▶| शेष पेज 13 पर

- 22 अगस्त 2027 से सभी स्कूलों के लिए अनिवार्य होगी यह लैब

पुलिस ने हत्या की कोशिश का अपराध दर्ज कर युवक को किया गिरफ्तार

प्रेमी के घर युवती ने फांसी लगाई जबरन साथ ले जाने से थी नाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेमी द्वारा शादी करने का दबाव बनाने जबरन घर से उठाकर लाने से नाराज युवती ने अपने प्रेमी के घर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस तथा फोरेंसिक टीम घटना स्थल की जांच करने के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम कराने मचुरी ले गई। मृतका का नाम कविता दास है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि कविता पर प्रेमी महफूज खान शादी के लिए दबाव बना रहा था। इसके अलावा महफूज पर मृतका के परिजनों ने शादी नहीं करने पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया ▶▶| शेष पेज 13 पर

प्रेमी महफूज खान शादी के लिए दबाव बना रहा था

इस कारण शादी करने से बच रहे थे

कविता के परिजनों के अनुसार वे बेहद ही गरीब परिवार से हैं, महफूज ने कविता को झांसा देकर अपने प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद उस पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। परिजनों ने दहेज नहीं दे पाने की बात कहते हुए पुलिस को बताया कि महफूज के दूसरे धर्म के होने की वजह से सामाजिक स्तर पर बदनामी होने के डर से कविता की वे महफूज से शादी करने बच रहे थे। इस बात से महफूज बेहद नाराज था और आए दिन कविता के साथ मारपीट करता था।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मृतका की मां ललिता दास और बहन दुर्गा ने आरोप लगाया है कि महफूज खान, कविता पर लगातार शादी करने का दबाव बना रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थी। परिजनों के अनुसार घटना के पहले महफूज, कविता को अपने साथ जबरदस्ती लेकर गया और उसकी हत्या कर दी और आत्महत्या का रूप देने फांसी के फंदे पर लटका दिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि महफूज इंस्टाग्राम में लाइव आकर कविता के साथ मारपीट किया करता था।

महिला अधिकारी जिम जा रही थीं, इस दौरान लिफ्ट सातवीं मंजिल में अटक गई

करेंसी टॉवर की लिफ्ट में 20 मिनट फंसी रहीं वरिष्ठ महिला आईएएस अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र के वीआईपी रोड स्थित श्री राम मंदिर के पास करेंसी टॉवर में एक बड़ी लापरवाही की घटना सामने आई है। सोमवार को सुबह सवा सात बजे के करीब सीनियर आईएएस एसीएस ऋचा शर्मा लिफ्ट में करीब 20 मिनट फंसी रहीं। काफी मशक्कत करने के बाद आईएएस अफसर को लिफ्ट से निकालने में कामयाबी मिली। बताया जा रहा है, महिला आईएएस अफसर जिस लिफ्ट में जा रही थीं, लिफ्ट बीच में अटक गयी। लिफ्ट में किसी तरह का हेल्प लाइन नंबर के साथ अन्य नंबर नहीं होने से आईएएस अधिकारी ने जिम्मेदारों से संपर्क करने के बजाय अपने परिचितों के माध्यम से करेंसी टॉवर के जिम्मेदारों तक लिफ्ट में फंसे होने की जानकारी पहुंचाई। जिस लिफ्ट में महिला आईएएस फंसी हुई थीं, उस लिफ्ट के अंदर न तो पर्याप्त रोशनी थी और न ही हवा आने का ▶▶| शेष पेज 13 पर

- लिफ्ट के अंदर इमरजेंसी नंबर से लेकर किसी तरह का कॉंटेक्ट नंबर नहीं होने की बात सामने आ रही

उर्जा सचिव को कॉल कर दी जानकारी

मौके पर उपस्थित लोगों के अनुसार महिला अधिकारी ने लिफ्ट के दौरान कांपलेक्स की बदहाली को लेकर राज्य के ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव को भी काल करके जानकारी दी। पावर बैकअप, सोलर पावर नहीं होने आदि के विषय में भी जानकारी ली। काफी मशक्कत के बाद जब लिफ्ट का दरवाजा खोला गया, तब अधिकारी लिफ्ट से बाहर निकलीं।

पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

बताया जा रहा है कि करेंसी टावर की 7वीं मंजिल पर साइकस जिम है, जहां स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी भी आते हैं। इस टावर में लिफ्ट फंसने की यह पहली घटना नहीं है। पहले भी कई बार लोग लिफ्ट में फंस चुके हैं और कुछ लोग बेसुध तक हो गए हैं। बावजूद इसके प्रबंधन द्वारा कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई।

नियमों की अनदेखी

फॉयर सेफ्टी नियम के अनुसार बड़े कांप्लेक्स में पावर बैकअप, इमरजेंसी लाइट, अलार्म सिस्टम और इमरजेंसी संपर्क नंबरों की जानकारी अनिवार्य होती है, लेकिन करेंसी टावर में ये सुविधाएं नहीं होने के कारण ऐसी स्थिति बनी। समय पर राहत नहीं मिलने से विकट स्थिति उत्पन्न होने से इनकार नहीं किया जा सकता। नियम के अनुसार लिफ्ट का हर महीने मेंटेनेंस करना अनिवार्य है। समय पर लिफ्ट के मेंटेनेंस नहीं होने पर जानकार लिफ्ट में तकनीकी खामी आने की बात कह रहे हैं। लिफ्ट खराब होने की बात को लेकर करेंसी टॉवर प्रबंधन ने अब तक अपना पक्ष नहीं रखा है।

खबर संक्षेप

राजमिस्त्री प्रशिक्षण से स्वरोजगार का नया अवसर

रायपुर। ग्रामीण बेरोजगारों को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान रायपुर द्वारा तिल्दा विकासखंड के ग्राम अड़सेना में 30 दिवसीय निःशुल्क राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों को तकनीकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राजमिस्त्री कार्य से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उद्यमिता विकास और बैंकिंग प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई।

झूलेलाल सदन में मनाई परशुराम जयंती

रायपुर। नहरपारा सिंधी पंचायत ने भगवान झूलेलाल सदन में अक्षय तृतीया पर्व मनाया। इस दौरान नहरपारा झूलेलाल सदन में स्थित शंकर मंदिर में पूजा करके प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम की जयंती भी मनाई गई तथा प्रसादी व मठा का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, मुखी हरनाम तलरेजा, मुखी बलराम पी. आहूजा, शंकर दानवानी, किशोर आहूजा, सुरेश बठैजा, रतन लिलानी, अमर वलेचा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पक्षियों को पानी देने बांटे 400 सकोरे

रायपुर। सामाजिक संस्था एक पहल और के सदस्यों द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लगभग 400 सकोरे और दाने के पैकेट का वितरित किए गए। यह कार्यक्रम ऑक्सीजोन गार्डन स्थित हनुमान मंदिर में सोमवार को सुबह आरती के बाद किया गया। संस्था के प्रवक्ता गौरव मंधानी ने बताया कि लगभग 400 सकोरे एवं दाने के पैकेट ऑक्सीजोन गार्डन स्थित हनुमान मंदिर में सुबह आरती बाद बांटे गए। इस अवसर पर में प्रमुख रूप से संस्था के अध्यक्ष किशोर देवानी, गोपालदास शादीजा, सोमन पारवानी, राजकुमार बच्चानी, सुशील वाधवानी और महिला टीम में सुजाता नारवानी, हर्षा पिंजानी, कंचन लालवानी, कविता मोटवानी आदि उपस्थित रहे।

डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए आवेदन प्रारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अंतर्गत रिक्त डाटा एंट्री ऑपरेटर पदों की भर्ती के लिए व्यापम ने आवेदन प्रारंभ कर दिए हैं।

एससी-एसटी अफसर कर्मियों को प्रमोशन में आरक्षण के लिए तैयार होगा क्वांटिफिएबल डेटा, बनी हाईलेवल कमेटी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की सेवाओं में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के शासकीय सेवकों को पदोन्नति में आरक्षण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नवीनतम आदेश के अनुसार, पदोन्नति में आरक्षण के प्रावधानों के लिए 'मात्रात्मक आंकड़े' क्वांटिफायएबल डाटा तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

अदालतों के आदेश के पालन में होगा ये काम

यह निर्णय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा विभिन्न जनहित याचिकाओं और सर्विस याचिकाओं में पारित अंतिम आदेशों के अनुपालन में लिया गया है। सरकार का यह कदम उच्चतम न्यायालय द्वारा जरनैल सिंह बनाम लक्ष्मी नारायण गुप्ता और एम. नागराज बनाम भारत संघ जैसे ऐतिहासिक मामलों में निर्धारित सिद्धांतों के अनुरूप है।

पिंगुआ की अध्यक्षता में हाई लेवल कमेटी

राज्य सरकार ने इस सिलसिले में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई है। जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया है ताकि आंकड़ों का संकलन सटीक और पारदर्शी हो। कमेटी इस प्रकार है। अध्यक्ष- मनोज कुमार पिंगुआ (अपर मुख्य सचिव, गृह एवं जेल विभाग)। सदस्य- सोनमणी बोरा (प्रमुख सचिव, अनुसूचित जाति/जनजाति विकास विभाग) और रजत कुमार (सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सामान्य प्रशासन विभाग)। सदस्य सचिव- हिना अनिमेश नेताम (संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान)। अन्य सदस्य- संजय गोंड़ (उपायुक्त), डॉ. अनिल कुमार विरूलकर (अनुसंधान सहायक अधिकारी) और अमर दास (अनुसंधान सहायक)।

आदेश की मुख्य बातें

यह नया आदेश विभाग के पूर्ववर्ती आदेशों (जुलाई 2024 और जनवरी 2025) का स्थान लेगा। समिति का मुख्य कार्य राज्य की सेवाओं में एससी एसटी वर्ग के प्रतिनिधित्व से संबंधित मात्रात्मक आंकड़े एकत्र करना और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना है। आदेश की प्रतिलिपि राज्यपाल के सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दी गई है। माना जा रहा है कि इस समिति की रिपोर्ट आने के बाद राज्य में लंबे समय से लंबित पदोन्नति में आरक्षण के विवाद को सुलझाने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है।

राज्य के नगरीय निकायों की समीक्षा का पहला दिन

केवल बजट खर्च करने के उद्देश्य से काम न करें बल्कि समस्याओं का स्थाई समाधान करें- साव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पेयजल आपूर्ति की लगातार आ रही शिकायतों पर नाखुशी और नाराजगी जाहिर करते हुए अगले वर्ष तक सभी नगर निगमों में इसके स्थाई समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरों में केवल बजट खर्च करने के उद्देश्य से काम न करें, बल्कि समस्याओं का स्थाई समाधान करें। पेयजल समस्या की शिकायतों पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

श्री साव ने सोमवार को प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा के दौरान ये बात कही। रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में दिनभर चली बैठक में शहरों में पेयजल आपूर्ति की समस्याओं, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर नाराजगी जाहिर करते हुए इनके निराकरण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने धमतरी में पेयजल योजना के काम में लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यपालन अभियंता को निलंबित करने तथा ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए।

जरूरत के मुताबिक बनाएं योजना

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में नगर निगमों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को शहरों की जरूरत के मुताबिक कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकायों की व्यवस्था और छवि सुधारने सक्रियता व गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि नगर निगम ऐसा काम करें जिससे राज्य की नगर पालिकाएं प्रेरणा ले सकें और नगर पालिका इस तरह से काम करें जिनसे नगर पंचायतें प्रेरित हो सकें। उन्होंने निकायों के अभियंताओं से कहा कि काम की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें नहीं आना चाहिए।

बैठक में शामिल हुए ये अधिकारी

नगर निगमों और नगर पालिकाओं की आज दो अलग-अलग हुई समीक्षा बैठकों में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय सहित सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता एवं नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों संभागीय क्षेत्रीय कार्यालयों के संयुक्त संचालक भी बैठक में मौजूद थे।

नालों की सफाई 31 मई तक पूरी करें

उन्होंने आगामी 31 मई तक सभी नगर निगमों में बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण करने के साथ ही बरसात में जल भराव रोकने जरूरी उपाय करने को कहा। जून के पहले सप्ताह में राज्य स्तरीय टीम नगर निगमों में इसका भौतिक निरीक्षण करेंगी। कार्य संतोषजनक न मिलने पर स्वास्थ्य अधिकारी और इंजीनियर पर कार्रवाई की जाएगी।

अधूरे पीएम आवास सितंबर तक पूरे करें

श्री साव ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को सितम्बर-2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अप्रारंभ आवासों के निर्माण एक माह के भीतर हर हाल में शुरू करने के साथ ही मार्च-2026 में स्वीकृत सभी आवासों को वर्षा ऋतु के पहले प्रारंभ करने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत निर्धारित 18 माह की अवधि में निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों के प्रस्ताव अविलंब विभाग को भेजने के निर्देश दिए, ताकि ऐसे हितग्राहियों को मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना की 32 हजार 850 रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की जा सके।

आज नगर पंचायतों की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज दो सत्रों में मैराथन बैठकों में नगरीय निकायों में राजस्व वसूली, विद्युत देयकों के भुगतान, वेतन भुगतान, अधोसंरचना विकास व 15वें वित्त आयोग के कार्यों, नालंदा परिसरों, नगरोत्थान योजना, जलप्रदाय योजनाओं, आपदा प्रबंधन, गोधाम योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, आई-गॉट कर्मयोगी तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों की समीक्षा की। वे 21 अप्रैल को दिनभर नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

भूपेश बोले- परिसीमन का षड़यंत्र विफल

अब भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर पूरे देश में भ्रम फैला रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी की 'आक्रोश रैली' पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे केंद्र और भाजपा नेतृत्व की सोची-समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब तक सच जूता पहनता है, तब तक झूठ पूरी दुनिया की परिक्रमा कर चुका होता है। उन्होंने कहा, जनहित के मुद्दों तथा सरकार की विफलता से ध्यान हटाने भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर राजनीति कर रही है। सिलेंडर की कमी, पेट्रोल, डीजल, खाद-बीज की कमी, खाद्य पदार्थों के दाम, बढ़ती महंगाई, एपस्टीन फाइल जैसे मुद्दों के कारण मोदी सरकार की साख गिर चुकी है, इसीलिए ये जनता का मूल समस्याओं से ध्यान हटाना चाह रहे।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि जिस महिला आरक्षण विधेयक का श्रेय बीजेपी ले रही है, वह वास्तव में सितंबर 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा संशोधन विधेयक के जरिए बीजेपी परिसीमन का मुद्दा थोपना चाहती है। भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को पास करवाना चाहती थी।

कांग्रेस का आरोप-महिला आरक्षण बिल पर भाजपा की नैतिक पराजय

महिला आरक्षण को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस लगातार भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगा रही है कि वह इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच भ्रम फैला रही है और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भी कांग्रेस नेताओं ने प्रेसवार्ता कर महिला आरक्षण पास नहीं होने के पीछे की वजह बताई। रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी में शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, नैतिकता की दुहाई देने वाली भारतीय जनता पार्टी अनैतिकता की सारी हदें पार कर चुकी हैं, जो महिला आरक्षण बिल पहले ही लोकसभा और राज्यसभा में पास होकर कानून का रुप ले चुकी हैं। उसे लागू करके महिलाओं को लोकसभा विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के स्थान पर वह पुनः महिला आरक्षण बिल के नाम पर लोकसभा परिसीमन बिल को पास करवाना था।

किसानों को रकबे के अनुसार अगले माह से मिलेगी खाद, एलपीजी, पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पश्चिम एशिया संकट के बीच छत्तीसगढ़ में पेट्रोलियम और खाद आपूर्ति की स्थिति पर राज्य सरकार के अधिकारियों और तेल कंपनियों ने पेट्रोलियम पदार्थों और कृषि उर्वरकों की आपूर्ति व वर्तमान स्थिति की जानकारी साझा की। प्रमुख सचिव कृषि शहला निगार ने बताया कि विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को उनकी भूमिधारिता के आधार पर अनुशंसित मात्रा में ही उर्वरक का विक्रय हो, इसके लिए विभाग द्वारा नई ऑनलाइन व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। मई से इसे प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। नई प्रणाली में एकीकृत किसान पोर्टल, राजस्व विभाग का भुइंयया पोर्टल और एग्रीस्टैक पोर्टल को इंटीग्रेट किया जाएगा। संवाददाताओं से चर्चा में मुख्य महाप्रबंधक एवं राज्य विपणन प्रभाग इंडियन आयल मध्यप्रदेश राज्य कार्यालय अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, प्रदेश में 63.59 लाख घरेलू एलपीजी उपभोक्ता है तथा इन्हें वितरित करने हेतु माह मार्च में एवं अप्रैल में घरेलू एलपीजी की मांग अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। माह मार्च 2026 में 35,000 टन घरेलू एलपीजी की आवश्यकता के विरुद्ध 35,073 टन एवं माह अप्रैल में 19 अप्रैल तक 20.619 टन घरेलू एलपीजी राज्य को प्राप्त हुई है तथा राज्य के सभी 4 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। माह मार्च के दूसरे सप्ताह में भ्रम एवं अफवाह के कारण औसत दैनिक बुकिंग संख्या 74,000 से बढ़कर 1,30,000 तक हो गई थी, जो वर्तमान में घटकर औसतन 64,000 हो गई है। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश में घरेलू एलपीजी की मांग अनुसार आपूर्ति होने से असामान्य बुकिंग में कमी आई है तथा वर्तमान माह में यह सामान्य स्तर पर आ गई है।

राज्य में पेट्रोल एवं डीजल मांग के अनुरूप

उन्होंने बताया कि प्रदेश में संचालित 2465 पेट्रोल/डीजल पंप में तथा 3 ऑयल कंपनियों के डिपो में पर्याप्त पेट्रोल/डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। माह मार्च में प्रदेश की मासिक पेट्रोल आवश्यकता 1.01 लाख किलोलीटर के विरूद्ध 1.27 लाख किलोलीटर एवं 19 अप्रैल तक 77,942 किलोलीटर पेट्रोल की राज्य को प्राप्ति हुई है। इसी प्रकार मार्च में प्रदेश की मासिक डीजल आवश्यकता 1.64 लाख किलोलीटर के विरूद्ध 3.00 लाख किलोलीटर एवं 19 अप्रैल तक 117 लाख किलोलीटर डीजल की राज्य की प्राप्ति हुई है। इससे स्पष्ट है कि राज्य में पेट्रोल एवं डीज डीजल की मांग अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है।

शेष दो ब्लॉक की सूची एक-दो दिन में होगी जारी

शहर जिला कांग्रेस के 10 ब्लॉक की कार्यकारिणी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुमोदन के बाद सोमवार को रायपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी के 12 ब्लाकों में से 10 ब्लाक की कार्यकारिणी जारी कर दी गई।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने बताया कि जिन ब्लॉकों की सूची जारी की गई है, उनमें सरदार बल्लभ भाई पटेल, शहीद पंकज विक्रम, डॉ. खुबचंद बघेल, संत माता कर्मा, संत कबीर दास, नेताजी कन्हैयालाल लाल बजारी, शहीद भगत सिंह, महंत लक्ष्मी नारायण दास, लेफ्टिनेंट अरविंद दास दीक्षित, वीरांगना अवंती बाई ब्लाक शामिल है।

सूची जारी करते हुए उन्होंने सभी नवनियुक्त ब्लाक प्रबंध कारणी समीति के पदाधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, पार्टी की रीति नीति सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करें।

पार्टी संगठन को मजबूत बनाने, जनहित के लिए संघर्ष करते हुए अपने ब्लाक के आम नागरिकों के सामने आने वाली समस्याओं के निदान और भाजपा के जन विरोधी निर्णय के खिलाफ चट्टान की तरह अडिग रहकर आमजनता के हित में कार्य करने आवाहन किया। एक दो दिन के अंदर बाकी बचे दो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यकारणी समिति की सूची जारी की जाएगी।

भीषण गर्मी ने बदला राशन दुकानों के खुलने का समय, सुबह 7 से रात 9 बजे तक होगा खाद्यान्न वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए अब उचित मूल्य दुकानों के खुलने एवं बंद होने के समय में भी बदलाव हुआ है। जिले में संचालित सभी उचित मूल्य की दुकानें अब सुबह 7 बजे से लेकर रात 9 बजे तक खुली रहेंगी। हालांकि दोपहर में 2 घंटे 1 से 3 बजे तक दुकानदारों को रेस्ट करने का भी समय मिला।

दो घंटे तक वे अपनी दुकानें बंद कर सकेंगे। इस संबंध में जिला खाद्य विभाग ने सोमवार को आदेश जारी किया है।

हितग्राहियों को मिलेगी राहत

गर्मी में हितग्राहियों को राहत देने के लिए यह आदेश जारी किया है।

- भूपेंद्र मिश्रा
खाद्य नियंत्रक रायपुर

दोपहर में 2 घंटे 1 से 3 बजे तक बंद कर सकेंगे दुकानदार

10 से शाम 5 बजे तक खुल रही थीं दुकानें

अभी तक उचित मूल्य की दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही खुल रही थीं, लेकिन जिस तरह से भीषण गर्मी पड़ रही है, इसे देखते हुए कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग ने सभी दुकानों के खुलने के समय में बदलाव किया है, ताकि लोगों को दोपहर में चिलचिलाती धूप एवं गरम हवा से राहत मिल सके। इस आदेश के तहत अब सभी दुकानें सुबह 7 बजे खुलेंगी और रात 9 बजे बंद होंगी। हालांकि दोपहर में 2 घंटे दुकानदारों को दुकानें बंद रखने की छूट दी गई है।

छुट्टियों के दिन भी खुलेंगी दुकानें

इस आदेश के साथ विभाग ने अब छुट्टियों के दिन सोमवार एवं रविवार को भी दुकानें खोलने के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अब कोई भी दुकानदार रविवार और सोमवार को दुकान बंद नहीं करेगा। किसी कारणवश अगर बंद करना है, तो इसके लिए विभाग से अनुमति लेनी होगी।

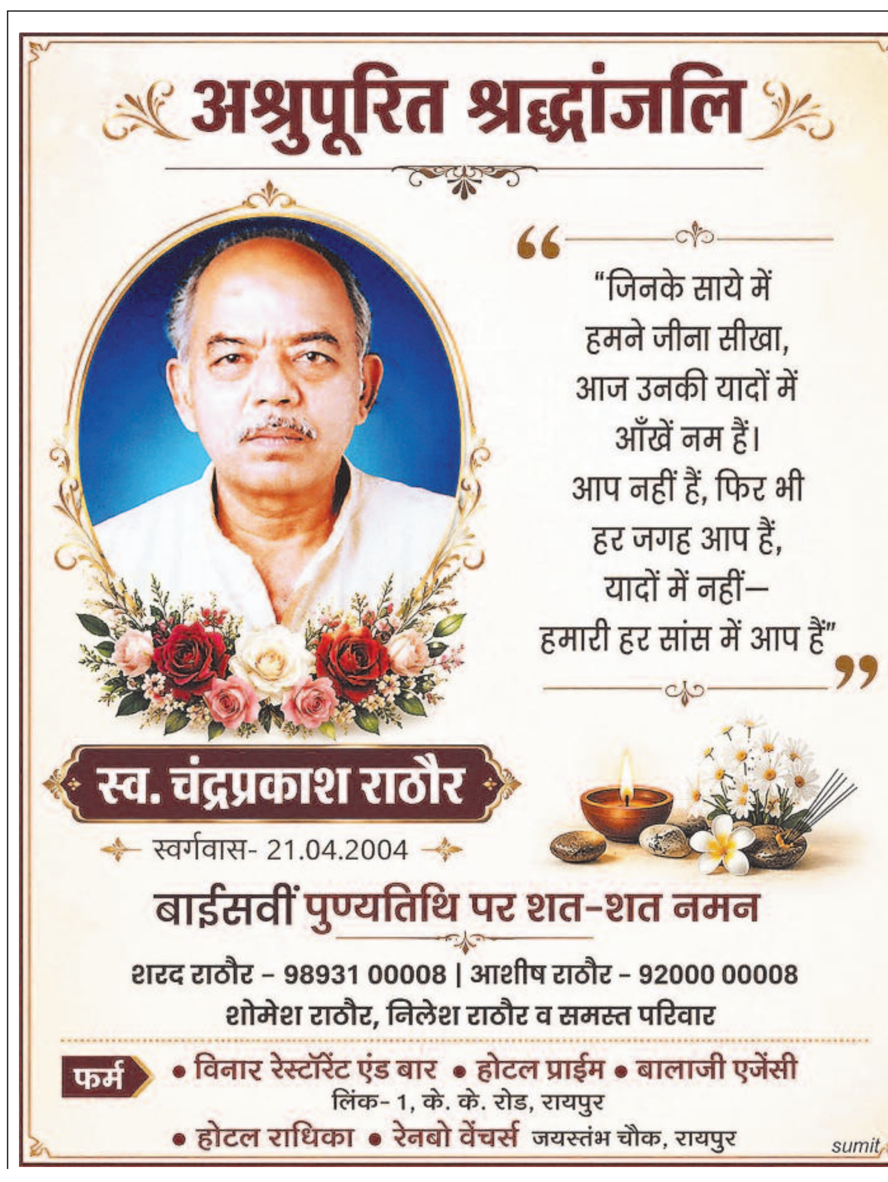

अक्ति तिहार में कुकरा में गूंजी शहनाई, बैलगाड़ी पर निकाली गुड्डे की बारात

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

छत्तीसगढ़ की माटी में रची-बसी परंपराएं जब जीवंत होती हैं, तो नजारा वाकई देखने लायक होता है। आरंग के ग्राम कुकरा में अक्षय तृतीया यानी अक्तितिहार के पावन अवसर पर कुछ ऐसा ही जादुई समां बंधा, जहाँ गुड्डा-गुड्डी का विवाह केवल बच्चों का खेल न रहकर पूरे गांव का एक भव्य उत्सव बन गया। इस आयोजन ने न केवल लोक संस्कृति की झलक दिखाई, बल्कि सामाजिक एकता का एक सुंदर संदेश भी दिया। उत्सव के दूसरे दिन गांव की गलियां तब उत्साह से भर गईं जब पारंपरिक बैलगाड़ियों को फूलों और झालरों से सजाकर गुड्डा-गुड्डी की भव्य बारात निकाली गई। आधुनिकता के इस दौर में भी बैलगाड़ियों पर सवार बारातियों का यह दृश्य बेहद मनमोहक था, जिसमें बच्चे और नवयुवतियां उत्साह के साथ झूमते नजर आए।

पुतरा-पुतरी विवाह का भव्य आयोजन, गांव में उत्सवी महौल रहा

मंगल गीत गाकर बारारियों का स्वागत

जब यह बारात वधू पक्ष के द्वार पर पहुंची, तो वहां पारंपरिक रीति-रिवाजों और मंगल गीतों के साथ बारातियों का जोरदार स्वागत किया गया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया।विवाह की रस्मों को पूरी संजीदगी से निभाते हुए पहले सामूहिक रूप से 'मायन-भात' का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने एक साथ बैठकर भोजन किया। इसके पश्चात 'टिकावन' की रस्म संपन्न हुई, जहाँ मोहल्लेवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नवदंपत्ति को आशीर्वाद स्वरूप उपहार व राशि भेंट की। गांव के बुजुर्गों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। कुकरा में संपन्न हुआ यह आयोजन अपनी भव्यता और आत्मीयता के कारण लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

अक्षय तृतीया पर पुतरा-पुतरी की शादी रचाई

तरपोंगी। तरपोंगी अंचल में अक्षय तृतीया का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। छोटे-छोटे बच्चों में इस त्यौहार को लेकर उत्साह का माहौल था। एक दिन पहले बच्चे विवाह की तैयारी में जुट गए थे। विधि विधान से पुतरा पुतरी का धूमधाम से विवाह रचाया गया। तेलमाटी, चुलमाटी, टीकावन व भांवर की सभी रस्मे बच्चों के द्वारा सम्पन्न हुआ।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी भवन की मांग पर मंत्री राजवाड़े को सौंपा

सिलयारी। ग्राम साँकरा के वार्ड क्रमांक 4 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 5 के लिए नए मॉडल आंगनवाड़ी भवन की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्र सामुदायिक भवन में संचालित हो रहा है, जहां पर्याप्त स्थान और आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। इसके कारण बच्चों के पोषण, शिक्षा और देखभाल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने मांग की कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षित वातावरण को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द नए मॉडल आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन बनने से क्षेत्र के बच्चों को बेहतर पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर हेमंत बंजारे, कमलेश नौरंगे, लक्ष्मण डहरिया, रामकुमार यादव एवं टिकेंद्र धीवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खौना समिति प्रबंधक पवन कुमार बर्खास्त

सिलयारी। समिति खौना के धान उपार्जन केंद्र में 229.60 क्विंटल धान के शार्टेज के संबंध में कलेक्टर द्वारा गठित टीम ने अपने जांच प्रतिवेदन में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा सिलियारी के शाखा प्रबंधक को तीन दिवस के भीतर समिति प्रबंधक पवन कुमार देवांगन के विरुद्ध कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं। जिसके आदेश के परिपालन में प्राधिकृत अधिकारी श्री सुजीत सिंह ठाकुर, सहकारिता विस्तार अधिकारी श्री शंशाक बल्लेवार शाखा प्रबंधक श्री वेद प्रकाश वर्मा को धान उपार्जन नीति 2025-26 के प्रावधानों का उल्लंघन करने, शासकीय आदेशों/निर्देशों की अवहेलना, शासन के साथ धोखाधड़ी करने,कूटरचना कर समिति को क्षति पहुंचाने, आपराधिक षडयंत्र कर हेमाली की राशि में हेरफेर करने के लिए दोषी पाते हुए तत्कालीन सेवा नियम 2018 के कंडिका 16.5. में निहित प्रावधानों का दोषी पाए जाने पर समिति प्रबंधक (पवन कुमार देवांगन) को पदच्युत (बर्खास्त) किया गया है।

दानवीर भामाशाह की जयूती आज

अभनपुर। तहसील साहू समाज अभनपुर के तत्वाधान मे 21 अप्रैल को दानवीर भामाशाह जयंती सामाजिक परिसर बेलभाठा में रखा गया है। मीडिया संयोजक घासुराम साहू ने बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मेलन के साथ शपथ दिलाई जायेगी साथ ही विभिन्न सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की जायेगी।

मोशम : दोपहर सड़कों पर सन्नाटा और जूस सेंटरों में भीड़

भीषण गर्मी सेहत के लिए घातक, मरीजों की संख्या में इजाफा, शीतल पेय से राहत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तिल्दा नेवरा

गर्मी कहर बनकर टूट रही है। लोग परेशान हैं और फिलहाल गर्मी और तपिश से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। सोमवार को शहर का तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस पहंच गया .प्रचंड गर्मी से फिलहाल एक हफ्ते तक राहत की उम्मीद नहीं है। तिल्दा नेवरा में गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। रविवार के बाद सोमवार को भी तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे आमजन बेहाल नजर आए। तेज धूप व गर्म हवाओं ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला, जबकि जरूरी काम से निकलने वाले लोग भी गर्मी से बचाव के उपाय करते नजर आए।

सुबह से ही तेज धूप का असर देखने को मिला, जो दोपहर तक और तीखा हो गया। लू जैसे हालात बन गए हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। शादी की सीजन के बाद भी बाजारों में भी भीड़ कम हो गई है और लोग सुबह-शाम के समय ही खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं। गर्मी का असर पेयजल संकट पर भी पड़ रहा है। कई क्षेत्रों में जलस्तर नीचे जाने के कारण पानी की कमी महसूस की जा रही है। ग्रामीण इलाकों में हैंडपंप व कुएं सूखने की स्थिति में हैं जिससे लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। इस भीषण गर्मी के बीच बाजारों में ठंडे पेय पदार्थों, शरबत, गन्ने के रस और मिट्टी के घड़ों की मांग बढ़ गई है। मठा भी पी रह हैं।

रात में भी लू के थपेड़े : रात के समय चल रही गर्म हवा, राहत नहीं मिल रही गर्मी का असर अब रात के समय भी दिखाई देने लगा है। पूरी रात गर्म हवाएं चलने के कारण लोगों को कूलर व एयर कंडीशन का सहारा लेना पड़ रहा है। गत वर्ष की तुलना में इस साल तिल्दा अंचल में ग्रीष्मकालीन सीजन विलंब से शुरू हुआ। लेकिन शुरुआती दौर में ही तापमान सीधे 39 ,40.और 42 डिग्री है। !तेज पड रही गर्मी से लोग बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहे है ज्यादातर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती हो रहे है ,सकरी अस्पताल के प्राइवेट अस्पतालो में भी मरीजो की भीड़ लगीरहती है ।

धूप से बचें, रहें सावधान : मौसम की जानकारी के लिए अखबार, टीवी, रेडियो पर इससे जुड़ी खबरें पढ़ें और देखें.जितना ज्यादा हो सके घर में रहें. दिन के समय में घर के दरवाजें और खिड़कियां बंद रखें.बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें. घर से निकलने का वक्त शाम को या एकदम सुबह तय कर लें।

हीट स्ट्रोक व डिहाइड्रेशन का खतरा

ब्लाक मेडिकल आफिसर आशीष सिन्हा ने लोगों को इस भीषण गर्मी में सतर्क रहने की सलाह दी है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ गया है। दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की ताकीद दी है । ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, प्यास न लगने की स्थिति में भी आपको पानी पीने की सलाह दी जाती है. ट्रैवलिंग के दौरान पानी की बोतल साथ रखें.जूस, ORS, दही लस्सी, छाछ का सेवन ज्यादा से ज्यादा करें. सीजनल सब्जियां और फल खाएं. तरबूज खीरा संतरा जैसे हाई वॉटर कंटेट वाले फल खाएं.घर से बाहर निकलते हुए कॉटन के हल्के कपड़े पहलें. अपने शरीर को कवर रखें. बाहर निकलते वक्त टोपी, तौलिया या छाते का प्रयोग करें. धूप में बाहर न निकलें, खासकर दोपहर से 4 बजे तक घर ही में रहें।

बोरिद के खलिहान में लगी दमकल पहुंचा मिली राहत

आरंग। क्षेत्र के ग्राम बोरीद में खलिहान (ब्यारा) में अचानक आग लगने की घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच यह घटना हुई, जिससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आवेदनकर्ता अशोक चंद्राकर के अनुसार आग खलिहान में रखे फसल एवं अन्य सामग्री में लगी। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल अग्निशमन विभाग श्री बजरंग केमिकल डिस्टिलरी एलएलपी की टीम को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने का कार्य शुरू किया। संयुक्त प्रयासों के चलते आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया और स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। घटना के बाद संबंधित विभाग को आवेदन देकर स्थिति से अवगत कराया गया है तथा आवश्यक कार्रवाई एवं मार्गदर्शन की मांग की गई है। ग्रामीणों ने समय पर पहुंचकर आग बुझाने वाली टीम का आभार व्यक्त किया।

भगवान परशुराम जयंती महोत्सव पर प्रतिभाओं का सम्मान

अभनपुर। बड़े उरला शिव मंदिर में भगवान परशुराम जंयती महोत्सव हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। शिव मंदिर के पास स्थापित भगवान परशुराम की पूजा अर्चना एवं महाआरती के साथ जन्मोत्सव कार्यक्रम के आयोजन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र -छात्राएं एवं वरिष्ठ नागरिको को मेडल व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि चंन्द्ररमन शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि ललित मिश्रा ने सभा को संबोधित करते कहा कि इस उत्सव मे भक्ति, शक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम है, जिसे लेकर समाज के लोगो मे भारी उत्साह का वातावरण है, ऐसे ही अवसरों में समाज को एक साथ मिलने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से नपा उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी, राकेश तिवारी, बलराम तिवारी, विनय वाजपेयी, जेपी शर्मा, मनीष वाजपेयी, बिल्लू पांडे, एसबी तिवारी,मुन्ना मिश्रा, हरीश पांडे, शिवसरोज मिश्रा, चन्द्राकांत बाघ, सुशील शर्मा, निशांत पांडे, मोनू तिवारी, संजय मिश्रा, तनुज शर्मा, गया प्रसाद पांडे, हुकुमचंद शर्मा, शिरिश शुक्ला, विजय शंकर मिश्रा, कपि शर्मा, नंदकिशोर तिवारी, गौरव दुबे, पं.व्यास तिवारी, महिला प्रतिनिधि में अनिता मिश्रा, सरला मिश्रा, सुनीता शुक्ला, गायत्री तिवारी, सरिता मिश्रा, गौकृति तिवारी, संगीता शर्मा, वंदना शर्मा, सुनीता शर्मा सहित आदि समाज के वरिष्ठ लोगों के साथ बड़ी संख्या में युवा कार्यक्रम को सफल बनाने मे महत्वपूर्ण योगदान दिए।

पलौद में जलसंकट, विधायक व मंत्री को सौंपा ज्ञापन पर समाधान अब तक नहीं

आरंग। अटल नगर पलौद में भीषण गर्मी और तेज धूप ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते अब क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगा है। गांव के अधिकांश घरों में लगे बोरवेल का जलस्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी जुटाना भी मुश्किल हो गया है।

स्थिति यह है कि ग्रामीणों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने के लिए भटकना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह से ही पानी की तलाश में महिलाओं और बच्चों को घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है। कई घरों में तो पीने तक का पानी उपलब्ध नहीं है, जिससे परेशानी और बढ़ गई है। गर्मी के इस मौसम में पानी की कमी ने ग्रामीणों की चिंता को और गहरा कर दिया है। पेयजल संकट को देखते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। सरपंच हेमकुमार मार्कण्डे ने इस गंभीर समस्या को लेकर एनआरडीए के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद अधिकारी समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं।इस संबंध में सरपंच श्री मार्कण्डे ने क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को भी अवगत कराया है, बावजूद इसके अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, पानी की समस्या भी विकराल रूप लेती जा रही है।ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि उन्हें इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके। अगर समय रहते उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

सामुदायिक भवन का निर्माण वार्ड दस में हुआ प्रारंभ

अभनपुर। नगर पालिका वार्ड क्रमांक 10 में सामुदायिक भवन परिसर में बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया है। इस कार्य के लिए शासन द्वारा 8 लाख 53 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह निर्माण कार्य विधायक इंद्र कुमार साहू की अनुशंसा तथा नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे एवं वार्ड पार्षद रूपनारायण साहू के विशेष प्रयासों से प्रारंभ हुआ। स्थानीय नागरिकों ने इस विकास कार्य के लिए विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद वार्डवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और सामाजिक गतिविधियों के लिए एक सुसज्जित स्थान उपलब्ध होगा।

पंजीयन के बाद भी किसान रासानिक खाद से वंचित

तरपोंगी। किसान नेता व पूर्व जिला पंचायत सभापति राजू शर्मा ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ में बहुत कम मात्रा में रासायनिक खाद की सप्लाई करने की तैयारी कर रही है। इसके बावजूद भी ग्रामीण सेवा सहकारी समितियो में खाद लेने हेतु पंजीयन होने के पश्चात भी किसानों को रासायनिक खाद देने पर रोक लगा दी गई है। पूर्व में किसानों को 60% नगद राशि व 40% खाद उपलब्ध कराया जाता था उसे भी परिवर्तित करके 70% नगद राशि 30% खाद बीज उपलब्ध कराया जाएगा। पूर्व में एग्री स्टेट पोर्टल में दर्ज रकबा को आधार मानकर खाद बीज देने की योजना थी। लेकिन पोर्टल से किसानों का रकबा हटा दिया गया है। किसान ग्रामीण सेवा सहकारी समिति, पटवारी, तहसीलदार ऑफिस का चक्कर लगाकर इधर-उधर भटक रहे हैं। शर्मा ने आगे कहा कि पंजीयन होने के बाद भी उन्हें खाद प्राप्त नहीं हो रहा है पिछले वर्ष से भी ज्यादा खाद की कीमत देखने को मिल रही है। शर्मा ने कहा है कि भेदभाव रूप से खाद का वितरण किया गया तो किसान आक्रोश पनपेगा किसान संगठित होकर आंदोलन की राह पर चलेंगे।

पेज 11 के शेष

रैली ने रोका रास्ता...

वाहन पार्क करने व्यवस्था की थी। इसके चलते बाहर से आने वाली गाड़ियां एक जगह एकत्रित होने के बजाय अलग-अलग दिशाओं में पार्क हुईं। इससे ट्रैफिक दबाव कम रहा। प्रदर्शन में शामिल होने आई महिलाएं गर्मी से बचने छांव तलाशती इधर उधर भटकती दिखीं।

गर्मी ने उड़ाए होशं...

स्थापित 45 नई व पुरानी पानी टंकियों से 250 एमएलडी शुद्ध जल की आपूर्ति होती रही, पर अप्रैल में यह खपत 50 एमएलडी बढ़कर प्रतिदिन 300 एमएलडी तक पहुंच गई है। हर माह 1 करोड़ 10 लाख का रॉ वाटर रायपुर नगर निगम का जल विभाग लोगों की प्यास बुझाने साल में 10 महीने तक रॉ वाटर सिंचाई विभाग से खरीदता है। सिफ रॉ वाटर खरीदने का खर्च प्रति माह 1 करोड़ 10 लाख रुपए है। इस तरह 10 महीने में 11 करोड़ का रॉ वाटर खरीदा जाता है। इस कच्चे पानी को फिल्टर प्लांट से अलग-अलग प्रक्रिया से साफ करने के बाद पानी टंकियों में भेजने के बाद नलों से शहरवासियों तक आपूर्ति की जाती है। जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया में फिल्टर प्लांट को हर महीने 2 करोड़ 75 लाख रुपए का बिजली बिल भुगतान करना पड़ता है। एनीकट में 7 दिन की जरूरत का पानी रिजर्व नगर निगम के भाठागांव स्थित एनीकट में शहरवासियों की पेयजल मांग को ध्यान में रखते हुए 7 दिन की जरूरत का रॉ वाटर हमेशा स्टोर कर रखा जाता है। यदि किसी कारणवश रायपुर शहर को गंगरेल से सप्ताहभर तक रॉ वाटर की आपूर्ति नहीं हो पाती, ऐसी स्थिति में लोगों की प्यास बुझाने और निस्तारी के कार्य को करने जल विभाग एनीकट में स्टोर कर रखे हुए रिजर्व वाटर का उपयोग कर लोगों को आपात स्थिति में भी सुरक्षित रख सकता है।

प्रेमी के घर युवती ...

है। मृतका के परिजनों ने पुलिस को जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक टिकरापारा संतोषी नगर निवासी महफूज रविवार को उनके घर आया, युवती को अपने साथ जबरन अपने घर ले गया। दूसरे दिन सुबह 10.30 बजे तक कविता ने अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला, तो महफूज के परिजनों ने खिड़की के अंदर झांक कर देखा। कविता फांसा के फंदे पर लटकती मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक कविता की मौत हो चुकी थी।

करेंसी टॉवर ...

कोई रास्ता। इसके कारण आईएएस अफसर को घबराहट होने लगी और उनकी हालत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, घबराहट के कारण महिला आईएएस अफसर काफी बदहवास हो गई थीं। अधिकारी ने किसी तरह अंदर से फोन कर प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी सूचना दी, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया।

बिजनेस साइट

बदलते बाजार में पोर्टफोलियो बनाने के तरीके पर फिर से विचार

रायपुर। फाइनेंशियल बाजारों में बढ़ती जटिलता के साथ, ग्रोथ और स्थिरता के बीच का अंतर भी समय के साथ और ज्यादा बारीक होता जा रहा है। आजकल, सिर्फ रिटर्न कमाने के अलावा, निवेशक ऐसे तरीके खोजना चाहते हैं जिनसे वे ग्रोथ के मौकों में हिस्सा ले सकें और साथ ही अपने निवेश को झटकों से कुछ हद तक सुरक्षित भी रख सकें।

यहां एक मजबूत विकल्प क्या है? - थीमैटिक निवेश या किसी खास सेक्टर में निवेश निवेशकों को ग्रोथ की कहानियों तक ले जा सकता है, लेकिन होल्डिंग्स में ज्यादा निवेश होने के कारण इसमें कुछ ज्यादा उतार-चढ़ाव भी हो सकता है। डाइवर्सिफिकेशन से जोखिम कम हो सकता है, लेकिन इससे कुछ खास शेयरों में निवेश करने के पीछे का पक्का इरादा कमजोर पड़ सकता है।

इन वजहों से पोर्टफोलियो बनाने के लिए निवेश के हाइब्रिड मॉडल बहुत ज्यादा जरूरी हो गए हैं।

पोर्टफोलियो में ग्रोथ की कहानियों के साथ-साथ डेट जैसे सुरक्षित निवेशों को शामिल करके, निवेशक एक ऐसा ढांचा बना सकते हैं जिसमें वे अच्छे आर्थिक हालात में फायदा उठा सकें और बुरे हालात में सुरक्षित रह सकें। इस तरह से पोर्टफोलियो बनाने से ग्रोथ की कहानियों में निवेश के फायदों का आनंद लेने और बुरे आर्थिक हालात में खुद को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन बनाना मुमकिन हो जाता है। रेगुलेटरी बदलावों ने भी हाइब्रिड मॉडलों को मजबूत बनाया है, इसलिए अब ये पोर्टफोलियो इक्विटी और डेट के बीच निवेश बांटने को बढ़ावा देते हैं।

निवेश बांटने के तरीके को समय-समय पर बदलने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी है। बाजार कई तरह के बदलते कारकों से प्रभावित होते हैं, जिनमें मैक्रोइकोनॉमिक संकेतकों से लेकर सेक्टर के मूल्यांकन तक शामिल हैं। एक तय निवेश का तरीका इन कारकों को नजरअंदाज कर सकता है, और इसलिए, एक प्रभावशाली तरीका मौजूदा हालात के आधार पर पोर्टफोलियो को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने में मदद करेगा।

इसके अलावा, डाइवर्सिफिकेशन सिर्फ एसेट डाइवर्सिफिकेशन तक ही सीमित नहीं है। यह एक बहुत बड़ी प्रक्रिया है, जिसमें थीम, रणनीति और निवेश का दायरा शामिल होता है, जिससे एक ही जगह ज्यादा निवेश होने का जोखिम कम होता है और ज्यादा निरंतरता एवं समानता आती है।

अनिश्चितता से भरे माहौल में, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की प्रक्रिया को संसाधनों के सीधे-सादे बंटवारे से आगे बढ़कर एक ऐसे तरीके को अपनाना होगा जो प्रभावशाली और कई स्तरों वाला हो, जैसे कि थीमैटिक निवेश।

जो निवेशक थीम और सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन साथ ही अपने पोर्टफोलियो में कुछ हद तक स्थिरता भी चाहते हैं, वे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एग्रेसिव हाइब्रिड एक्टिव एफओएफ (पूर्व में थीमैटिक एडवांटेज एफओएफ) पर विचार कर सकते हैं। 01 अप्रैल, 2026 से, यह फंड सेक्टर, थीम और मार्केट-कैप के अवसरों पर 65-80 फीसदी इक्विटी पर फोकस रखता है, जबकि स्थिरता के लिए डेट (20-35 फीसदी) को भी शामिल करता है। इसने वेल्थ क्रिएशन के मामले में लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। 31 मार्च, 2026 तक, फंड ने 3-वर्षीय सीएजीआर 15.11 फीसदी, 5-वर्षीय सीएजीआर 14.91 फीसदी और 10-वर्षीय सीएजीआर 14.47 फीसदी दर्ज किया है।

मनोज अग्रवाल
एमएफडी, शुभम इन्वेस्ट, रायपुर

आम सूचना

मौजा भाठागांव प.ह.नं 60 रा.नि.मं. रायपुर तहसील जिला रायपुर (छत्तीसगढ) में स्थित भूमि खसरा खसरा नंबर - 854/8, 587/8, 854/5, 857/2 एवं 855 शामिल खसरा नंबर-856 रकबा क्रमशः 0.075 हे., 0.028 हे., 0.076 हे., 0.027 हे. एवं 0.2470 हे. कुल रकबा 70,000 वर्गफुट भूमि है। के संबंध में

एतद् व्दारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री विजय देवांगन एवं श्री अजय देवांगन दोनो पिता स्व. श्री प्रेमचंद देवांगन निवासी श्याम टॉकीज रोड, हनुमान मंदिर के पास, बुढापारा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के भूमिस्वामी हक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि वाके मौजा भाठागांव प.ह.नं 60 रा.नि.मं. रायपुर तहसील जिला रायपुर (छत्तीसगढ) में स्थित भूमि खसरा खसरा नंबर 854/8, 587/8, 854/5, 857/2 एवं 855 शामिल खसरा नंबर-856 रकबा क्रमशः 0.075 हे., 0.028 हे., 0.076 हे., 0.027 हे. एवं 0.2470 हे. कुल रकबा-70,000 वर्गफुट भूमि है। को क्रय करने का सौदा तय कर टोकन राशि अदा कर दिया है उपरोक्त भूमि का बैनामा पंजीयन कराना शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, फर्म, संस्था, बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, निगम या मंडल आदि को किसी प्रकार की कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि के 15 (पन्द्रह) दिनों के भीतर मय दस्तावेज के मेरे कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावें। समयावधि बीतने के पश्चात की गई आपत्ति अवैध एवं शुन्य समझी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर लागू एवं बंधनकारी नहीं होगी। तथा मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करा लिया जायेगा।

सो सूचना जानें ।

अजय मिश्रा (अधिवक्ता)
निवास एवं कार्यालय मेन रोड,
कोटा, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9302720400

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक :-20/04/2026

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

भगवान परशुराम जयंती पर छाछ- फल वितरित

रायपुर। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर सामूहिक आरती के अलावा सुंदर नगर चौक पर केंद्रीय समिति ब्राह्मण समाज द्वारा छाछ एवं फल वितरण किया गया। इसके अलावा आजाद चौक में वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन द्वारा भंडारा एवं भोग प्रसाद का वितरण किया गया। इसी प्रकार कालीमाता मंदिर, गोल चौक, डीडीनगर, ब्राह्मण पारा, भनपुरी सहित अनेक स्थानों पर भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई गई। भनपुरी में भव्य आरती 500 दीपों से की गई। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पार्षद सरिता दुबे, दिवाकर तिवारी, विनय तिवारी, बिहारीलाल शर्मा, राहुल शर्मा, संध्या तिवारी, सतीश शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेंद्र शुक्ला, हर्ष मिश्रा, सुनीता शर्मा सहित युवा ब्राह्मण समाज के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीयूष बने भाठागांव भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष

रायपुर। काफी लम्बे इंतजार के बाद आखिरकार रायपुर जिला भाजपा युवा मोर्चा ने अपनी सूची जारी कर दी है। इस सूची में लम्बे समय से राजनीति से जुड़े कर्मठ कार्यकर्ता पीयूष ठाकुर को भाठागांव के युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष के रूप मे नियुक्ति मिली तो वहीं लाखेनगर मंडल में कुछ ही समय में पार्टी में अपनी काबिलियत साबित करने वाले चंगोराभाठा निवासी आर्यन मिश्रा को महामंत्री बनाया गया है। वहीं जय शर्मा को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई करते हुए आशीर्वाद दिया और पार्टी के लिए निस्वार्थ काम करने की सीख दी।

जल संकट प्रशासनिक विफलता का परिणाम

रायपुर। इंदिरा नगर, दुर्गा नगर और यादव बस्ती समेत कई इलाकों में लोग घंटों टैंकर का इंतजार कर रहे हैं। इसे लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, शहर में पानी की समस्या अब सिर्फ प्राकृतिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार का परिणाम है। निगम की लापरवाही और मिलीभगत के चलते टैंकर माफिया खुलकर मनमानी कर रहे हैं। पार्टी के अजीम खान ने कहा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों से 1200 से 1500 रुपए तक वसूले जा रहे हैं, जो सीधी लूट है।

गांव-गांव पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहीं टीमें

रायपुर। बस्तर संभाग के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और सुलभ बनाने की दिशा में संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान सकारात्मक परिणामों के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा गांव-गांव पहुंचकर अब तक 4,19,898 से अधिक नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण (स्क्रीनिंग) किया जा चुका है।

खत्म हुआ आठ महीने का इंतजार, आंबेडकर अस्पताल में शुरू हुई हार्ट सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जरूरी सामान के अभाव में पिछले आठ महीने से आंबेडकर अस्पताल में बंद हार्ट सर्जरी के पुनः शुरू होने से मरीजों को राहत मिली है। पिछले पांच दिनों में करीब चार मरीजों की आवश्यक सर्जरी की जा चुकी है। ऑपरेशन का रास्ता खुलने के बाद यहां ओपीडी में आने वाले जरूरतमंद मरीजों को भर्ती भी किया जाने लगा है।

आंबेडकर अस्पताल में राज्य का एकमात्र कार्डियक सेंटर संचालित होता है। यहां कार्डियक सर्जरी विभाग में आवश्यक सामान का अभाव होने के कारण बाईपास, ओपन हार्ट, वाल्व रिप्लेसमेंट जैसे ऑपरेशन नहीं हो रहे थे। सामानों की सप्लाई पर वेंडर तय करने का मामला फिट नहीं हो पा रहा था।

चार मरीजों को मिली राहत, जरूरतमंद भर्ती भी होने लगे

जरूरत संसाधनों से लैस करने की

हृदय संबंधी रोगियों की बढ़ती संख्या और शासकीय सेक्टर में एकमात्र संस्थान होने की वजह से यहां के कार्डियोलॉजी और कार्डियक सर्जरी विभाग में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं। मरीजों की आवश्यकता को देखते हुए एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट को तमाम संसाधनों से लैस किए जाने की जरूरत है। उपकरणों के साथ यहां वार्डों के साथ पर्याप्त मानव संसाधन की व्यवस्था करना आवश्यक है। राज्य शासन द्वारा इस बजट में एसीआई के आधुनिकीकरण के लिए 10 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है।

किए जा रहे ऑपरेशन

हृदय संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए आने वाले मरीजों की आवश्यकता के हिसाब से सर्जरी की जा रही है। ओपीडी में आने वाले मरीजों की सर्जरी जरूरी होने पर एडमिट किया जा रहा है।
- डा. कृष्णकांत साहू, विभागाध्यक्ष, कार्डियक सर्जरी

इसकी वजह से विभाग में ओपीडी में मरीजों का इलाज तो हो रहा था मगर उन्हें ऑपरेशन के लिए भर्ती नहीं किया जा रहा था। एकमात्र शासकीय संस्थान में जरूरी ऑपरेशन नहीं होने से मध्यम और बीपीएल मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। मजबूरी और अति आवश्यक होने पर उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल जाकर ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ रहे थे। मरीजों को होने वाली दिक्कत और स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठने वाले सवाल के बाद जरूरी सामानों की सप्लाई के लिए वेंडर तय किया गया। आवश्यक उपकरण मिलने के बाद पिछले पांच दिनों में करीब चार मरीजों की ओपन हार्ट सर्जरी पूरी की गई है। इसके साथ ही ओपीडी में आने वाले जरूरतमंद मरीजों को भर्ती करने के साथ उनके ऑपरेशन की तारीख भी तय की जा रही है।

सीएसएमसीएल ओवर टाइम भुगतान घोटाला, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीएसएमसीएल के माध्यम से शराब दुकान में काम करने वाले कर्मचारियों के 115 करोड़ रुपए ओवर टाइम भुगतान घोटाला के आरोप में ईओडब्लू, एसीबी ने मैन पॉवर एजेंसी ईगल के अफसर तथा अकाउंटेट को गिरफ्तार किया है। इन पर 28.80 करोड़ रुपए घोटाला करने का आरोप है। दोनों आरोपियों को जांच एजेंसी ने स्पेशल कोर्ट में पेश कर 27 अप्रैल तक पूछताछ करने पुलिस रिमांड हासिल की है। वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच हुए ओवर टाइम भुगतान घोटाला करने के आरोप में जांच एजेंसी ने मैन पॉवर उपवब्ध कराने वाली कंपनी ईगल के अफसर अभिषेक कुमार सिंह तथा अकाउंटेट तिजऊ राम निर्मलकर को गिरफ्तार किया है। ईडी द्वारा शराब घोटाले की जांज के दौरान 29 नवंबर 2023 को तीन व्यक्तियों से नकद 28.80 लाख रुपए जप्त कर प्रतिवेदन राज्य सरकार के माध्यम से ईओडब्लू, एसीबी को दी गई थी। इसके बाद राज्य की जांच एजेंसी ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के बाद शराब दुकान कर्मियों की ओवर टाइम भुगतान राशि के घोटाले का मामला फूटा था।

- जांच एजेंसी ने कंपनी के अफसर तथा अकाउंटेट को किया है गिरफ्तार

ऐसे किया ओटी घोटाला : यह राशि बिलों के माध्यम से मैन पावर एजेंसियों को इस उद्देश्य से भुगतान की जाती थी कि एजेंसियों द्वारा उनके कर्मचारियों को वास्तवित भुगतान किया जाए, परंतु व्यवहार में यह राशि कर्मचारियों को भुगतान न कर एजेंसियों के माध्यम से अवैध रूप से कमीशन के रूप में निकाली जाती थी।

आंबेडकर और जिला अस्पताल में आने लगे मरीज, मामला गंभीर नहीं इसलिए नहीं हो रहे भर्ती

गर्मी ने बिगाड़ी तबीयत, हीट स्ट्रोक के साथ कमजोरी, लूज मोशन की बढ़ी शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बढ़ती गर्मी ने लोगों की सेहत पर विपरीत असर डालना शुरू कर दिया गया है। तेज धूप और थोड़ी लापरवाही की वजह लोग हीट-स्ट्रोक का शिकार होकर हास्पिटल तक पहुंच रहे हैं। इसके अवाला अधिक उम्र वाले मरीजों को लूज मोशन और कमजोरी जैसी शिकायतें भी हो रही हैं। राहत की बात यह है कि इन मरीजों को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ रही है। लक्षण आधारित दवा और गर्मी से बचाव और संयमित खानपान की नसीहत के साथ डाक्टर इलाज कर रहे हैं।

- लक्षण आधार पर दवा, गर्मी से बचाव के साथ खानपान में सावधानी की डाक्टर दे रहे सलाह

आंबेडकर और जिला अस्पताल में गर्मी से बीमार होने वाले मरीजों के लिए पृथक से लू वार्ड बनाया गया है, मगर अभी इसकी जरूरत मरीजों को भर्ती करने के लिए नहीं पड़ी है। हालांकि दोनों अस्पतालों के मेडिसिन विभाग में आने वाले दस फीसदी मरीज मौसम से पीड़ित हैं। पिछले सप्ताहभर से गर्मी ने अपना रंग दिखाया है और राजधानी समेत कई शहरों को लू का प्रकोप है। दोपहर आग उगलती गर्मी में बिना सुरक्षा के घूमने वाले लोग हीट-स्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं। लू लगने की वजह से विभिन्न आर्गन कमजोर होने, बुखार आने, उल्टी, लूज मोशन, बीपी की समस्या हो रही है। अपने स्तर पर ठीक नहीं होने पर मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी से पीड़ित मरीजों की संख्या पैनिक तो नहीं हुई है मगर उनके अस्पताल पहुंचने का दौर जारी है। नियमित ओपीडी में गर्मी की बीमारी से पीड़ित दर्जनभर मरीजों के आने का सिलसिला चल रहा है।

बच्चों को जोखिम ज्यादा

शिशु रोग विशेषज्ञ डा. निलय मोझरकर ने बताया कि छोटे बच्चों की इम्युनिटी कम होती है। ऐसे में ठंडी-गर्मी का असर उन पर बहुत जल्दी होता है।बच्चों को सीधे धूप से बचाना आवश्यक होता है। बच्चों को गर्मी के दिनों में बुखार के साथ पेट की समस्या अधिक होती है। गर्मी के दिनों में खानपान की लापरवाही से पेट में ऐंठन और गैस्ट्रिक संबंधी शिकायतें बड़े मरीजों को भी हो रही है।

स्ट्रीट फूड, गन्ना रस में जोखिम

डाक्टर आरके पांडा ने बताया कि गर्मी में आम तौर पर डी-हाईड्रेशन की की समस्या होती है। इसके अलावा पेट संबंधी तकलीफ भी होती है। इसकी वजह गर्मी के साथ स्ट्रीट फूड और साफ-सफाई के अभाव के बीच बिकने वाला गन्ना रस होता है। इन सबके उपयोग से फूड पाइजनिंग की समस्या बढ़ सकती है। गर्मी के दिनों में खानपान का ध्यान रखना बहुत आवश्यक होता है।

इस तरह सावधानी की जरूरत

- बाहर के बजाए घर का बना ताजा और गर्म खाना खाएं।
- स्वच्छ पानी का सेवन करें जो ज्यादा ठंडा अथवा गर्म ना हो।
- गर्मी के दौरान बाहर निकलने से बचें, जरूरी होने पर सुरक्षा का उपाय जरूरी

आ रहे मरीज

गर्मी बढ़ने से पिछले कुछ दिनों से कमजोरी, बीपी, हीट-स्ट्रोक के मरीज आ रहे हैं। इनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है, मगर नियमित है। गंभीर मरीजों के इलाज के लिए वार्ड में लू वार्ड बनाया गया है।
- डा. योगेन्द्र मल्होत्रा, मेडिसिन विभाग, आंबेडकर अस्पताल

लूज मोशन और बुखार जैसी शिकायत

गर्मी के दौरान लूज मोशन और बुखार जैसी शिकायत के साथ मरीज आ रहे हैं। लक्षण के आधार पर उन्हें दवा के साथ गर्मी से बचाव संबंधी सलाह दी जा रही है। *- डा. विनय वर्मा, सीएमओ, आंबेडकर अस्पताल*

ढोलक बजाने वाले युवक ने प्रेमिका को इंप्रेस करने दोस्त के साथ मिलकर की बुलेट चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

युवती के प्रेम में पागल एक युवक प्रेमिका को आकर्षित करने तथा उसे बुलेट में सैर कराने की चाह में चोर बन गया। युवक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर बुलेट चोरी की। प्रेमी युवक को पुलिस ने बाइक चोरी करने के आरोप में 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। जिस युवक ने बुलेट चोरी की है, वह पेशे से ढोलक वादक है और उसका दोस्त मोबाइल दुकान में काम करता है। गिरफ्तार दोनों युवक का अब तक किसी तरह से कोई क्रिमिनल रिकार्ड नहीं है। बुलेट चोरी करने के आरोप में पुलिस ने ऋषि शुक्ला तथा रोहितेश चंद्राकर को गिरफ्तार किया है। ऋषि मंदिर में अपने पिता के साथ ढोलक बजाने का काम करता है। ऋषि का पिता मंदिर में पूजा करने के साथ ही कथावाचक है। ऋषि ने पुलिस को बताया है कि वह एक युवती से प्रेम करता है। अन्य प्रेमी की तरह वो भी अपनी प्रेमिका को महंगी बाइक में सैर कराना चाहता था। इसीलिए उसने अपने मित्र के साथ बुलेट चोरी करने का प्लान बनाया। इसके बाद ऋषि ने अपने दोस्त के साथ मिलकर कमल विहार में योगेश बांदे के घर के बाहर खड़ी बुलेट चोरी की।

- टिकरापारा थाना क्षेत्र के कमलविहार की घटना

बाइक लॉक खोलने का तरीका यू-ट्यूब से सीखा : ऋषि का पुराना क्रिमिनल रिकार्ड नहीं है और न ही वह अपराधिक प्रवृत्ति का है। ऐसे में उसे बाइक का लॉक कैसे खोलते हैं, इस बात की जानकारी नहीं थी। अपने प्रेमिका के प्यार में पागल ऋषि अपनी प्रेयसी को हर हाल में खुश करने किसी भी हद तक जाने के लिए आतुर था। इसके लिए उसने यू-ट्यूब के माध्यम बाइक का लॉक खोलने का तरीका सीखा और बुलेट चोरी कर अपनी प्रेमिक को इंप्रेस कर पाता, इसके पहले वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

पेज 11 के शेष ...

रैली ने रोका रास्ता, पर इंतजाम...

वाहन पार्क करने व्यवस्था की थी। इसके चलते बाहर से आने वाली गाड़ियां एक जगह एकत्रित होने के बजाय अलग-अलग दिशाओं में पार्क हुईं। इससे ट्रैफिक दबाव कम रहा। प्रदर्शन में शामिल होने आई महिलाएं गर्मी से बचने छांव तलाशती इधर उधर भटकती दिखीं।

गर्मी ने उड़ाए होश, 150 क्यूसेक ...

स्थापित 45 नई व पुरानी पानी टंकियों से 250 एमएलडी शुद्ध जल की आपूर्ति होती रही, पर अप्रैल में यह खपत 50 एमएलडी बढ़कर प्रतिदिन 300 एमएलडी तक पहुंच गई है। ***हर माह 1 करोड़ 10 लाख का रॉ वाटर :*** रायपुर नगर निगम का जल विभाग लोगों की प्यास बुझाने साल में 10 महीने तक रॉ वाटर सिंचाई विभाग से खरीदता है। सिफ रॉ वाटर खरीदने का खर्च प्रति माह 1 करोड़ 10 लाख रुपए है। इस तरह 10 महीने में 11 करोड़ का रॉ वाटर खरीदा जाता है। इस कच्चे पानी को फिल्टर प्लांट से अलग-अलग प्रक्रिया से साफ करने के बाद पानी टंकियों में भेजने के बाद नलों से शहरवासियों तक आपूर्ति की जाती है। जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया में फिल्टर प्लांट को हर महीने 2 करोड़ 75 लाख रुपए का बिजली बिल भुगतान करना पड़ता है। ***एनीकट में 7 दिन की जरूरत का पानी रिजर्व :*** नगर निगम के भाठागांव स्थित एनीकट में शहरवासियों की पेयजल मांग को ध्यान में रखते हुए 7 दिन की जरूरत का रॉ वाटर हमेशा स्टोर कर रखा जाता है। यदि किसी कारणवश रायपुर शहर को गंगरेल से सप्ताहभर तक रॉ वाटर की आपूर्ति नहीं हो पाती, ऐसी स्थिति में लोगों की प्यास बुझाने और निस्तारी के कार्य को करने जल विभाग एनीकट में स्टोर कर रखे हुए रिजर्व वाटर का उपयोग कर लोगों को आपात स्थिति में भी सुरक्षित रख सकता है।

प्रेमी के घर युवती ने फांसी लगाई...

है। मृतका के परिजनों ने पुलिस को जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक टिकरापारा संतोषी नगर निवासी महफूज रविवार को उनके घर आया, युवती को अपने साथ जबरन अपने घर ले गया। दूसरे दिन सुबह 10.30 बजे तक कविता ने अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला, तो महफूज के परिजनों ने खिड़की के अंदर झांक कर देखा। कविता फांसा के फंदे पर लटकती मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक कविता की मौत हो चुकी थी।

करेंसी टॉवर की लिफ्ट में ...

कोई रास्ता। इसके कारण आईएएस अफसर को घबराहट होने लगी और उनकी हालत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, घबराहट के कारण महिला आईएएस अफसर काफी बदहवास हो गई थीं। अधिकारी ने किसी तरह अंदर से फोन कर प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी सूचना दी, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया।

बिजनेस साइट

मां पद्मावती हॉस्पिटल के निशुल्क महाशिविर से ग्रामीणों को बड़ी राहत 4000 से अधिक मरीज लाभान्वित

रायपुर। पचेड़ा स्थित मां पद्मावती हॉस्पिटल (श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एंड कॉलेजेस की इकाई) द्वारा आयोजित 15 दिवसीय निशुल्क महाशिविर ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। अस्पताल की प्रथम वर्षगांठ पर शुरू किए गए इस शिविर का लाभ अब तक 4000 से अधिक मरीज उठा चुके हैं। शिविर में महंगे मेडिकल परीक्षण पूरी तरह निशुल्क किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक बोझ से मुक्ति मिली है। अस्पताल को 'कैश काउंटर मुक्त' रखा गया है, जहां पंजीकरण से लेकर दवाइयों और जटिल ऑपरेशनों तक किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा। पांचवे दिन 340 से अधिक मरीजों ने रक्त जांच, 20 ने सोनोग्राफी, 18 ने सीटी स्कैन, 155 ने ईसीजी और 23 ने इको जांच कराई। 750 बिस्तरों वाले इस आधुनिक अस्पताल के कारण ग्रामीणों को अब शहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही।

मैट्स विश्वविद्यालय और आईटीएसए अस्पताल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय ने रायपुर के विधानसभा रोड स्थित आईटीएसए अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी छात्रों के लिए शैक्षणिक और व्यावसायिक अवसरों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आईटीएसए एक आगामी 350 बिस्तरों वाला ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है, जिसमें मल्टीस्पेशलिटी, पीडियाट्रिक और वेलनेस विंग शामिल हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाली समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा। एमओयू के तहत छात्र इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, उद्योग विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान और सहयोगी कार्यक्रम आयोजित होंगे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति डॉ. केपी यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया और रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई दी। यह साझेदारी मैट्स की छात्रों को उद्योग अनुभव और करियर मार्ग प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वैवाहिक सीजन के लिए 'वस्त्रम विकास' में शानदार फैशन कलेक्शन

वस्त्रम् विकास

रायपुर। वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए शहर की प्रतिष्ठित फैमिली फैशन शॉप वस्त्रम विकास में मेन्स वियर और लेडिस वियर की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है। संस्थान के संचालक केपी देवांगन ने बताया कि वस्त्रम विकास पिछले 30 वर्षों से रायपुर समेत पूरे प्रदेश के कई परिवारों की फैशन डिमांड को पूरा करता आ रहा है। इस वैवाहिक सीजन के लिए शॉप ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेहतरीन डिजाइन और वैरायटी की पेशकश की है। पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा स्टाइलिश जैकेट के साथ सिर्फ 1599 रुपए में उपलब्ध है। इसके अलावा ब्रांडेड सूटिंग और शर्टिंग पर आकर्षक छूट का ऑफर चलाया जा रहा है, जो ग्राहकों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स प्राप्त कर रहा है। केपी देवांगन ने बताया कि यह ऑफर टेक्सटाइल मार्केट पंडरी, नेशनल कॉर्पोरेट पार्क जीई रोड, विकास टॉवर वस्त्रम सुंदरनगर, लक्ष्मीनारायण मंदिर रोड कोटा और पुरानी धमतरी रोड डूंडा सहित सभी शाखाओं में समान रूप से उपलब्ध होगा, ताकि हर ग्राहक इसका लाभ उठा सके।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में जागरूकता अभियान, महिलाओं को सुरक्षा का संदेश

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता को लेकर विशेष अभियान आयोजित किया गया। 'संवाद से समाधान' कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अर्चना झा ने महिलाओं को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। अस्पताल प्रबंधन, डॉक्टर विनोद सिंह और डायरेक्टर नम्रता सिंह की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में 100 से अधिक बच्चियों और महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य दूर-दराज से आने वाली महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें सुरक्षा के प्रति सजग करना था। महिला थाना प्रभारी अर्चना धुरंधर ने साइबर अपराध से बचाव के उपाय भी बताए। पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल की इस पहल को सराहनीय बताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

बिजनेस साइट

बदलते बाजार में पोर्टफोलियो बनाने के तरीके पर फिर से विचार

मनोज अग्रवाल
एमएफडी, शुभम इन्वेस्ट, रायपुर

रायपुर। फाइनेंशियल बाजारों में बढ़ती जटिलता के साथ, ग्रोथ और स्थिरता के बीच का अंतर भी समय के साथ और ज्यादा बारीक होता जा रहा है। आजकल, सिर्फ रिटर्न कमाने के अलावा, निवेशक ऐसे तरीके खोजना चाहते हैं जिनसे वे ग्रोथ के मौकों में हिस्सा ले सकें और साथ ही अपने निवेश को झटकों से कुछ हद तक सुरक्षित भी रख सकें।

यहां एक मजबूत विकल्प क्या है? - थीमैटिक निवेश या किसी खास सेक्टर में निवेश निवेशकों को ग्रोथ की कहानियों तक ले जा सकता है, लेकिन होल्डिंग्स में ज्यादा निवेश होने के कारण इसमें कुछ ज्यादा उतार-चढ़ाव भी हो सकता है। डाइवर्सिफिकेशन से जोखिम कम हो सकता है, लेकिन इससे कुछ खास शेयरों में निवेश करने के पीछे का पक्का इरादा कमजोर पड़ सकता है।

इन वजहों से पोर्टफोलियो बनाने के लिए निवेश के हाइब्रिड मॉडल बहुत ज्यादा जरूरी हो गए हैं।

पोर्टफोलियो में ग्रोथ की कहानियों के साथ-साथ डेट जैसे सुरक्षित निवेशों को शामिल करके, निवेशक एक ऐसा ढांचा बना सकते हैं जिसमें वे अच्छे आर्थिक हालात में फायदा उठा सकें और बुरे हालात में सुरक्षित रह सकें। इस तरह से पोर्टफोलियो बनाने से ग्रोथ की कहानियों में निवेश के फायदों का आनंद लेने और बुरे आर्थिक हालात में खुद को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन बनाना मुमकिन हो जाता है। रेगुलेटरी बदलावों ने भी हाइब्रिड मॉडलों को मजबूत बनाया है, इसलिए अब ये पोर्टफोलियो इक्विटी और डेट के बीच निवेश बांटने को बढ़ावा देते हैं।

निवेश बांटने के तरीके को समय-समय पर बदलने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी है। बाजार कई तरह के बदलते कारकों से प्रभावित होते हैं, जिनमें मैक्रोइकोनॉमिक संकेतकों से लेकर सेक्टर के मूल्यांकन तक शामिल हैं। एक तय निवेश का तरीका इन कारकों को नजरअंदाज कर सकता है, और इसलिए, एक प्रभावशाली तरीका मौजूदा हालात के आधार पर पोर्टफोलियो को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने में मदद करेगा।

इसके अलावा, डाइवर्सिफिकेशन सिर्फ एसेट डाइवर्सिफिकेशन तक ही सीमित नहीं है। यह एक बहुत बड़ी प्रक्रिया है, जिसमें थीम, रणनीति और निवेश का दायरा शामिल होता है, जिससे एक ही जगह ज्यादा निवेश होने का जोखिम कम होता है और ज्यादा निरंतरता एवं समानता आती है।

अनिश्चितता से भरे माहौल में, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की प्रक्रिया को संसाधनों के सीधे-सादे बंटवारे से आगे बढ़कर एक ऐसे तरीके को अपनाना होगा जो प्रभावशाली और कई स्तरों वाला हो, जैसे कि थीमैटिक निवेश।

जो निवेशक थीम और सेक्टर में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन साथ ही अपने पोर्टफोलियो में कुछ हद तक स्थिरता भी चाहते हैं, वे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एग्रेसिव हाइब्रिड एक्टिव एफओएफ (पूर्व में थीमैटिक एडवांटेज एफओएफ) पर विचार कर सकते हैं। 01 अप्रैल, 2026 से, यह फंड सेक्टर, थीम और मार्केट-कैप के अवसरों पर 65-80 फीसदी इक्विटी पर फोकस रखता है, जबकि स्थिरता के लिए डेट (20-35 फीसदी) को भी शामिल करता है। इसने वेल्थ क्रिएशन के मामले में लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। 31 मार्च, 2026 तक, फंड ने 3-वर्षीय सीएजीआर 15.11 फीसदी, 5-वर्षीय सीएजीआर 14.91 फीसदी और 10-वर्षीय सीएजीआर 14.47 फीसदी दर्ज किया है।

आम सूचना

मौजा भाठागांव प.ह.नं 60 रा.नि.मं. रायपुर तहसील जिला रायपुर (छत्तीसगढ) में स्थित भूमि खसरा खसरा नंबर - 854/8, 587/8, 854/5, 857/2 एवं 855 शामिल खसरा नंबर-856 रकबा क्रमशः 0.075 हे., 0.028 हे., 0.076 हे., 0.027 हे. एवं 0.2470 हे. कुल रकबा 70,000 वर्गफुट भूमि है। के संबंध में

एतद् व्दारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री विजय देवांगन एवं श्री अजय देवांगन दोनो पिता स्व. श्री प्रेमचंद देवांगन निवासी श्याम टॉकीज रोड, हनुमान मंदिर के पास, बुढापारा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के भूमिस्वामी हक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि वाके मौजा भाठागांव प.ह.नं 60 रा.नि.मं. रायपुर तहसील जिला रायपुर (छत्तीसगढ) में स्थित भूमि खसरा खसरा नंबर 854/8, 587/8, 854/5, 857/2 एवं 855 शामिल खसरा नंबर-856 रकबा क्रमशः 0.075 हे., 0.028 हे., 0.076 हे., 0.027 हे. एवं 0.2470 हे. कुल रकबा-70,000 वर्गफुट भूमि है। को क्रय करने का सौदा तय कर टोकन राशि अदा कर दिया है उपरोक्त भूमि का बैनामा पंजीयन कराना शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, फर्म, संस्था, बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, निगम या मंडल आदि को किसी प्रकार की कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि के 15 (पन्द्रह) दिनों के भीतर मय दस्तावेज के मेरे कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावें। समयावधि बीतने के पश्चात की गई आपत्ति अवैध एवं शुन्य समझी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर लागू एवं बंधनकारी नहीं होगी। तथा मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करा लिया जायेगा।

सो सूचना जानें ।

अजय मिश्रा (अधिवक्ता)
निवास एवं कार्यालय मेन रोड, कोटा, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9302720400

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक :-20/04/2026

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

अटैचमेंट समाप्ति का उल्टा असर, दफ्तरों में साफ-सफाई और स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार व्यवस्था प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

संलग्नीकरण समाप्त करने के आदेश का पालन करने का विपरीत असर होने लगा है। कर्मचारियों के मूल पदस्थापना स्थल पर लौटने की वजह से स्वास्थ्य विभाग के कार्यालयों में साफ-सफाई से लेकर कई स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार व्यवस्था प्रभावित हो रही है। चिकित्सकों की वापसी के कारण प्रदेश में चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं की मानिटरिंग पर भी असर हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने अपने अटैचमेंट में मूल स्थल को छोड़कर मुख्यालय अथवा शहरी इलाकों में ड्यूटी करने वाले अधिकारी, कर्मचारी और चिकित्सकों की वापसी का आदेश जारी किया था। इस आदेश के बाद अधिकतर कर्मचारी अपने मूल पदस्थापना स्थल पर पहुंच गए। काफी संख्या में कर्मचारियों को हटाने की वजह से स्वास्थ्य विभाग का नियमित कामकाज प्रभावित होने लगा है। जिला समेत राज्य के मुख्यालय से कर्मचारियों के लौटने से साफ-सफाई के लिए कर्मचारियों का टोटा होने लगा है। इसके अलावा यहां होने वाले प्रशासनिक कामकाज पर भी इसका असर हुआ है, कई तरह की फाइलें अटक रही हैं। इतना ही नहीं, जिला स्तर पर उपचार व्यवस्था को बनाए रखने के लिए भी कई चिकित्सकों को अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ किया गया था, वे भी मूल स्थान पर वापस लौट चुके हैं। डाक्टरों का अटैचमेंट समाप्त होने से कई हेल्थ सेंटरों में उनकी संख्या काफी बढ़ गई है, तो कई हेल्थ सेंटर एक-दो डाक्टरों के भरोसे हो गया है।

कड़ी नहीं लौटे

अटैचमेंट समाप्ति के बाद ज्यादातर कर्मचारी अपने मूल विभाग में वापस लौट गए मगर जिनकी जान-पहचान ऊपर तक निकली वे आदेश को दरकिनार करते हुए अपने पुराने स्थान पर जमे हुए है। कई ऐसे भी कर्मचारी सामने आए जिन्होंने आदेश के बाद लंबी छुट्टी का विकल्प भी चुन लिया है। इसके अलावा कई कर्मचारी इस्तीफा देने जैसा मूड भी बना रहे हैं।

मूल पदस्थापना स्थल पर वापसी से स्वास्थ्य योजनाओं की मानिटरिंग पर असर

नियम शिथिल होने का इंतजार

अटैचमेंट के इस आदेश का प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा भी विरोध किया जा चुका है। इसके अलावा अधिकारी भी दबी जुबान में इस आदेश को सही नहीं मान रहे हैं मगर विभागीय होने के कारण इसे लागू भी किया है। आदेश के बाद मूल विभाग में वापस लौट चुके अधिकारी कर्मचारी नियम शिथिल होने का इंतजार भी कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

साबुन-डिटर्जेंट उद्योग को जीएसटी में छूट की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में चैंबर प्रतिनिधिमंडल और छत्तीसगढ़ साबुन एवं डिटर्जेंट निर्माता कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के साबुन एवं डिटर्जेंट उद्योग से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कपड़े धोने के साबुन पर वर्तमान में लागू जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने की मांग करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के नाम ज्ञापन सौंपा। बैठक में वित्त मंत्री ओपी. चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा आश्वस्त किया कि इस विषय को सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार करते हुए राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।
इस अवसर पर चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कार्यकारी अध्यक्ष चेतन तारवानी, राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, सलाहकार अमर गिदवानी तथा छत्तीसगढ़ साबुन एवं डिटर्जेंट निर्माता कल्याण संघ के पदाधिकारी हेमराज कृपलानी, कैलाश राठौर, उत्तमचंद तारवानी एवं प्रकाश माखीजा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तापमान उतरा पर कम नहीं हुआ गर्म हवा का प्रकोप, बुधवार से फिर चढ़ेगा पारा

रायपुर। पिछले चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान में कमी आई, मगर इससे राजधानी समेत प्रदेश के मध्य हिस्से में ग्रीष्म लहर का प्रकोप कम नहीं हुआ। मंगलवार को तापमान कम रहने के बाद बुधवार से पारा पुनः चढ़ने की उम्मीद है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली अपेक्षाकृत ठंडी हवा के असर से बस्तर समेत अन्य इलाकों में बारिश हुई है। रविवार को प्रदेश का अधिकतम तापमान 45 डिग्री और रायपुर का पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया था। इस दौरान बस्तर से आने वाली हवा से वहां के मौसम में बदलाव हुआ और हल्की से मध्यम बारिश भी हुई। इसके साथ ही हवा की गति बढ़ने से सोमवार को राज्य के अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट हुई। प्रदेश का सबसे अधिक पारा बिलासपुर का 43.8 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं रायपुर का पारा 42.8 डिग्री रिकार्ड किया गया। तापमान में कमी आने के बाद भी गर्मी के तेवर कम नहीं हुए और लोगों को दोपहर लू के थपेड़े सहने पड़े। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर दक्षिण द्रोणिका पूर्वी बिहार से दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश तक छत्तीसगढ़ तक विस्तारित है।

विभा को मिला आशा किरण सम्मान

रायपुर। रायपुर सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन ने समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जनसेवा फाउंडेशन की अध्यक्ष विभा सोनी को आशा किरण सम्मानित किया। पिछले दिनों वृंदावन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से आई 151 प्रतिभाओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हरिभूमि ने राजधानी में संचालित ऐसे कुछ कैंप एवं सीएससी केंद्र में जाकर पड़ताल की

ई-केवायसी कराने में छूट रहा हितग्राहियों का पसीना नाम में त्रुटि सहित अन्य कारण से थोक में हो रहे रिजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केंद्र सरकार की महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही महिला हितग्राहियों के लिए ई-केवायसी कराना अनिवार्य किया गया है। इसके तहत रायपुर जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से चयनित सीएससी केंद्र एवं सामुदायिक भवनों में कैंप लगाकर महिलाओं का ई-केवायसी कराया जा रहा है। इसके लिए सभी चयनित कैंप में महिलाओं की दिनभर केवायसी कराने के लिए भीड़ भी लग रही है। हरिभूमि ने सोमवार को राजधानी में संचालित ऐसे कुछ कैंप एवं सीएससी केंद्र में जाकर पड़ताल की। इस दौरान पता चला कि केवायसी के दौरान कई हितग्राहियों के नाम भी रिजेक्ट हो रहे हैं। ज्यादातर रिजेक्ट का कारण हितग्राही के नाम में त्रुटि तथा पुराना आधार कार्ड है, जिसमें हिन्दी में पूरा नाम लिखा हुआ है। महिला का नाम हो या सरनेम, मात्रा में छोटी से छोटी त्रुटि होने पर भी पोर्टल में हितग्राही का नाम शो नहीं कर रहा है। हालांकि केवायसी करने वाले ऑपरेटरों के अनुसार रिजेक्ट होने के बाद भी पंजीकृत आईडी नंबर के आधार पर हितग्राहियों का केवायसी किया जा रहा है। इसके लिए संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र से महिलाएं आईडी नंबर प्राप्त कर सकती हैं।

छोटी से छोटी त्रुटि के कारण पोर्टल में हितग्राही का नाम ही शो नहीं हो रहा

महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही कई हितग्राहियों का नाम ही पोर्टल में शो नहीं कर रहा है। इसका कारण उनके नाम में छोटी से छोटी त्रुटि होना या फिर हिन्दी में जो नाम लिखा है, उसके अनुसार अंग्रेजी में उस नाम की स्पेलिंग मिस्टेक होना बताया जा रहा है। टिकरापारा क्षेत्र के बजरंग चौक स्थित शिवम सीएससी केंद्र में देखने को भी मिला। यहां केवायसी का कार्य करने वाले एक कर्मी ने बताया कि इस तरह के लगभग 50 हितग्राहियों के नाम रिजेक्ट हो चुके हैं, जिनमें से 20 से 25 हितग्राहियों ने नाम सही कराकर केवायसी करा लिया है। इधर सूत्रों के अनुसार जिलेभर में केवायसी की प्रक्रिया के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाओं के नाम रिजेक्ट हुए हैं। इन महिलाओं के नाम क्यों रिजेक्ट हुए तथा कितनी महिलाओं ने त्रुटि सुधार या पंजीकृत आईडी नंबर के माध्यम से दोबारा नाम जोड़वाकर ईकेवायसी करा लिया है। इस आकड़ों की जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शैल ठाकुर से मोबाइल पर संपर्क साधा, लेकिन उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया।

भीड़ के कारण आवेदन देने के कई घंटों बाद लग रहा नंबर

महिला एवं बाल विकास विभाग दफ्तर से मिली जानकारी के अनुसार ईकेवायसी कराने के लिए जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों को कार्य सौंपा गया है। ई केवायसी का कार्य बायोमेट्रिक प्रणाली से होना है। इसके लिए हितग्राही का आधार नंबर को महतारी वंदन योजना के पोर्टल से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक हितग्राही का थंब लिया जा रहा है। अगर किसी हितग्राही का फिंगर काम नहीं कर रहा है, तो आंखें स्कैन करके केवायसी किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में वैसे तो महज 2 से 5 मिनट ही लगते हैं, लेकिन सर्वर प्रॉब्लम, तकनीकी दिक्कत, हितग्राही का फिंगर नहीं लेना सहित अन्य कारणों के कारण 10 से 15 मिनट तक एक केवायसी में लग रहा है। इसके कारण कई हितग्राहियों को आवेदन करने के कई घंटों के बाद या दूसरे दिन भी केवायसी कराने बुलाया जा रहा है।

पानी की समस्या को लेकर मटका लेकर प्रदर्शन, जोन 3 कार्यालय का किया घेराव

नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड, गुरु गोविंद सिंह वार्ड और शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड में पेयजल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नगर निगम जोन 3 के तीन वार्डों में पेयजल की समस्या को लेकर सोमवार को प्रभावित इलाके के रहवासियों ने शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के नेतृत्व में शंकर नगर स्थित जोन कार्यालय का घेराव किया। मटका लेकर जलसंकट के विरोध में जमकर नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने जोन कमिश्नर प्रीति सिंह को जल संकट की समस्या दूर करने ज्ञापन सौंपा।

दरअसल, नगर निगम जोन 3 के खम्हारडीह बस्ती, सेल टैक्स कालोनी, गीतांजलि नगर, गुरू गोविंद सिंह वार्ड के झंडा चौक, जगन्नाथ नगर, काली नगर सहित अन्य इलाकों में जल संकट से वहां के रहवासी परेशान हैं, निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी उनके पानी की समस्या दूर नहीं हुई है। शंकर नगर के न्यू शांतिनगर और गोरखा कालोनी में पानी की समस्या बनी हुई है। पानी की किल्लत दूर करने की मांग को लेकर जोन 3 कार्यालय का घेराव करने पहुंचे महिलाओं और युवाओं ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। भुक्तभोगियों ने शक्ति नगर, तरूण नगर, भारतमाता चौक में नलों से पानी का प्रेशर कम आने और नल खुलने के समय को लेकर ऐतराज जताया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने शंकरनगर के जोन दफ्तर में जोन अधिकारी के समय पर उपस्थित नहीं रहने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि एक तरफ शहर की जनता पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटक रही है, वहीं लोगों की समस्या सुनने के बजाए जोन के अधिकारी दफ्तर छोड़कर सरकारी कार्यक्रम में गए हैं, यह सरासर गलत है। हमारी मुख्य मांग ये है जोन 3 के जल संकट प्रभावित वार्डों में नियमित रूप से जल आपूर्ति की जाए, साथ ही पाइप लाइन मरम्मत का कार्य प्रमुखता से कराए जाएं। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों के भीतर यदि इन वार्डों में जल आपूर्ति सुधारी नहीं गई तो नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने जोन 3 आयुक्त को मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा। इस मौके जोन 9 के पूर्व जोन अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, पूर्व एमआईसी सदस्य व गुरूगोविंद सिंह वार्ड के पूर्व पार्षद मिलिंद गौतम, दीपक मिश्रा, राकेश धोतरे सहित संबंधित वार्ड के रहवासी और कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लू से बचाव के लिए जिला प्रशासन अलर्ट, उच्च जोखिम क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा उपाय करने निर्देश

हीटवेव की स्थिति को देखते हुए सभी विभागों को सतर्क रहने कहा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन अब अलर्ट हो चुका है। कलेक्टर गौरव सिंह ने जिले में संभावित लू (हीटवेव) की स्थिति को देखते हुए सभी विभागों को सतर्क रहने एवं व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, लू चलने की संभावना को ध्यान में रखते हुए समन्वित कार्ययोजना लागू की जा रही है, जिससे जनहानि एवं स्वास्थ्य संबंधी जोखिम को न्यूनतम किया जा सके। कलेक्टर ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील आबादी की पहचान कर विशेष सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी अलर्ट प्रणाली के अनुसार रेड, ऑरेंज, येलो एवं सामान्य स्तर की चेतावनियों पर गंभीरता से कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। जिले के सभी सार्वजनिक स्थलों जैसे बस स्टैंड,

रेलवे स्टेशन, बाजार, पार्क एवं सरकारी कार्यालयों में शीतल जल केंद्र (प्याऊ) स्थापित किए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को निर्बाध रखने तथा नगर निगम के माध्यम से टैंकरों द्वारा जल वितरण की व्यवस्था की जा रही है, साथ ही श्रमिकों एवं राहगीरों के लिए छायादार अस्थायी विश्राम केंद्र (कूलिंग शेल्टर) बनाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया है कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पतालों में हीट स्ट्रोक प्रबंधन के लिए आवश्यक दवाएं, आई.वी. फ्लूड्स, ओआरएस पैकेट एवं कूलिंग ट्रीटमेंट सुविधाएं उपलब्ध रहें। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को हीटवेव प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा एम्बुलेंस सेवाओं को भी आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है।महिला एवं बाल विकास विभाग को गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं कुपोषित बच्चों की विशेष निगरानी करने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में ओआरएस एवं पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही टीएचआर वितरण के दौरान महिलाओं को लू से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, बाजारों एवं प्रमुख स्थानों पर मिस्ट स्प्रे एवं वाटर स्प्रिंकलिंग की व्यवस्था, निर्माण स्थलों एवं ईंट भट्टों पर कार्यरत श्रमिकों के लिए विशेष सतर्कता, तथा जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को लू से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है।

करोड़ों की शासकीय जमीन की कहीं हेराफेरी कहीं कब्जा, प्रकरण बने लेकिन कार्रवाई शून्य

राजस्व न्यायालयों में शासकीय जमीन की खरीदी-बिक्री, कब्जा के प्रकरण डंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

तत्कालीन कांग्रेस के शासन काल में राजधानी रायपुर सहित जिले के कई ग्रामों में चारागाह, खेल मैदान, तालाब, मुक्तिधाम सहित अन्य कई शासकीय जमीनों की हेराफेरी करने से लेकर कब्जा के मामले में उजागर हो चुके हैं। इनमें से कई मामलों में तो तहसील न्यायालयों में प्रकरण भी दर्ज हैं, लेकिन इन प्रकरणों में ना ही सुनवाई हो रही है और न ही राजस्व अधिकारियों द्वारा इन प्रकरणों में सख्ती से जांच कराई जा रही है। परिणाम स्वरूप शासकीय जमीनों की हेराफेरी एवं कब्जा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई भी नहीं हो पा रही है। ऐसा ही एक मामला खरोरा तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम फरहदा का सामने आया है, जहां लगभग 400 एकड़ शासकीय भूमि पर कई लोगों ने कब्जा कर रखा है, जिसकी शिकायत पिछले वर्ष गांव के सरपंच ने स्वयं तहसीलदार एवं एसडीएम तिल्दा से की थी। इस शिकायत पर इस मामले में कछुआ गति से जांच की जा रही है, वहीं कब्जा भी अभी तक हटाया नहीं गया है।

सीमांकन कराया जा रहा

शासकीय जमीनों पर कब्जा की जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। फरहदा में 3 से 4 सौ एकड़ शासकीय जमीन पर कब्जा की शिकायत पर सीमांकन कराया जा रहा है। सीमांकन और जांच के अनुसार खाली कराई जाएगी शासकीय जमीन। भाठागांव जमीन के मामले में एसडीएम कोर्ट में प्रकरण लंबित है।

- कीर्तिमान सिंह राठोर, अपर कलेक्टर (राजस्व)

भाठागांव में फाइल दो साल से डंप

भाठागांव स्थित 63 एकड़ चारागाह की शासकीय जमीन की हेराफेरी के मामले की फाइल भी पिछले दो वर्ष से रायपुर तहसील में एसडीएम के कोर्ट में डंप पड़ी हुई। इस प्रकरण में न ही सुनवाई हो रही हैं और न ही जमीन के पुराने रिकार्ड में दर्ज 173 किसानों के हटाए गए नाम या उनके वंशावलियों के नाम रिकार्ड में पुनः चढ़ाए गए हैं।

उच्च स्तरीय टीम गठित कर जांच कराने की मांग

इस मामले में गांव के सरपंच संजय साहू ने बताया कि करोड़ों रुपए की शासकीय जमीन पर कब्जा हुआ है। इस कब्जा के कारण गांव में शव दफनाने के लिए तक जगह नहीं बची है। लोगों को तालाब पार जाकर शव को दफनाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में उच्च स्तरीय टीम गठित कर जांच करानी चाहिए, ताकि शासकीय जमीन को मुक्त किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी जमीन शासकीय है, इसका रिकार्ड में चढ़े दस्तावेज हैं। कब्जारहित जमीन चारागाह, तालाब, मुक्तिधाम, खेल मैदान, सड़क सहित अन्य कार्य के लिए आरक्षित है।

अधिकारी गंभीर नहीं एक पटवारी-आरआई से कराई जा रही जांच

ग्राम फरहदा में करोड़ों रुपए की शासकीय जमीन पर कब्जा की शिकायत को लेकर राजस्व अधिकारी कितने गंभीर है। यह इस मामले में की जा रही जांच से पता चलता है। एसडीएम तिल्दा तक पहुंची इस शिकायत के बावजूद इस मामले में पिछले कई महीनों से सिर्फ एक पटवारी और एक राजस्व निरीक्षक के माध्यम से ही जमीन का सीमांकन कराया जा रहा है। यहीं कारण है कि अभी तक लगभग 80 एकड़ भूमि का ही सीमांकन किया जा सका है। सीमांकन में यह पूरी जमीन शासकीय पाई गई है। इस क्षेत्र के तहसीलदार मंडाई ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि जमीन बहुत बड़ी है, इसलिए सीमांकन में समय लग रहा है, क्योंकि उनके पास राजस्व के दूसरे कार्य भी हैं।

जनता का विश्वास जीतने पुलिस चला रही संवाद से समाधान जन जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लोगों का विश्वास जीतने पुलिस, कमिश्नरेट के शहर के सभी थाना क्षेत्रों में संवाद से समाधान जन जागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में पुलिस कमिश्नरेट के वेस्ट जोन टिकरापारा थाना क्षेत्र की कमल हाईट वेलफेयर सोसाइटी की मांग पर कमल विहार सेक्टर-4 में समाज की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, साइबर अपराध, नशा मुक्ति एवं अन्य जनहित विषयों पर पुलिस द्वारा सोमवार को सीधा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में टिकरापारा थाना के

टीआई सहित पुलिस स्टाफ के अलावा कमल विहार पुलिस सहायता केंद्र के स्टाफ ने आम नागरिकों की समस्याओं एवं सुझावों को सुनने के बाद उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिए। साथ ही नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव, नशा मुक्ति तथा क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय रहवासियों से अपील करते हुए कहा कि जन सहभागिता ही सुरक्षित समाज की आधारशिला है। सभी सम्मानित नागरिकों से आग्रह किया गया कि वे ऐसे जनहितकारी जागरूकता कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुलिस-जन संवाद को सशक्त बनाएं और समाज में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करें। उक्त कार्यक्रम में वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आनंद श्रीवास, कमल हाईट के अध्यक्ष विकास मिश्रा, सोसाइटी के पदाधिकारी सहित स्थानीय रहवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

टैक्सी चाहिए
रायपुर शहर से आरंग में रात्रि कालीन पेपर पार्सल ले जाने हेतु आटो/ई-रिक्सा, की आवश्यकता है।
इच्छुक व्यक्ति टैक्सी की संपूर्ण कागजात के साथ प्रसार विभाग में संपर्क करें।
समय : 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक
हरिभूमि
कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

online Booking:-www.tripuryatra.com

चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री
ब्रेकफास्ट, डिनर, 25 सीटर टेम्पो ट्रैवलर, होटल, मैनेजर/ गाइड
06 मई, 09 मई, 13 मई, 18 मई, 08 जून, 17 जून 2026
राशिः- स्टैंडर्ड पैकेज 15,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

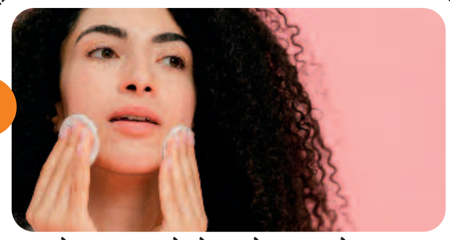

मेकअप करने से पहले इन बातों का...

सिटी इवेंट

सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल के लिए 19 मई तक भर सकेंगे आवेदन

रायपुर। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की ओर से कॉन्स्टेबल (टेक्निकल/ ट्रेड्समैन/ पायनियर- मेल/ फीमेल) के बंपर पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 अप्रैल को स्टार्ट हो चुका है, जो निर्धारित अंतिम तिथि 19 मई 2026 तक जारी रहेगी। जो भी अभ्यर्थी इस भर्ती के लिए पात्रता पूरी करते हैं वे इसमें शामिल होने के लिए ऑनलाइन माध्यम से **CRPF** की ऑफिशियल वेबसाइट **rect.crpf.gov.in** पर जाकर फॉर्म भर सकेंगे। इस भर्ती में भाग लेने के लिए उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्था से मैट्रिकुलेशन (10**th**) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके साथ ही पद के अनुसार उम्मीदवार के पास संबंधित ट्रेड में अनुभव/ **ITI** सर्टिफिकेट/ हैवी ट्रांसपोर्ट वेहिकल ड्राइविंग लाइसेंस आदि होना चाहिए। इसके अलावा 1 जनवरी 2026 को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार की आयु कॉन्स्टेबल ड्राइवर पद के लिए 21 से 27 वर्ष और अन्य सभी पदों के लिए 18 से 23 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को उम्र में नियमानुसार छूट मिलेगी। पद के अनुसार विस्तृत डिटेल चेक करने के लिए नोटिफिकेशन का अवलोकन कर सकते हैं।

एप्लीकेशन प्रॉसेस और फीस

इस भर्ती में शामिल होने के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से ही आवेदन किया जा सकता है, अन्य किसी भी प्रकार से फॉर्म स्वीकार नहीं किये जायेंगे। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक भर्ती पोर्टल **rect.crpf.gov.in** पर फॉर्म भर सकेंगे। आवेदन के साथ जनरल, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग को फीस के रूप में 100 रुपए जमा करने होंगे। एससी, एसटी वर्ग से आने वाले अभ्यर्थी भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क फॉर्म भर सकेंगे। इस भर्ती में चयन कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट / स्किल टेस्ट/ **PET**, **PST**/ डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन/ मेडिकल एग्जामिनेशन आदि से गुजरना होगा। चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को पे लेवल 3 के अनुसार 21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह सैलरी प्रदान की जाएगी।

लाइव इवेंट

गर्मी में चाय व कॉफी का सेवन करें कम, यह शरीर को करता है डिहाइड्रेट

रायपुर। अप्रैल और मई महीने की शुरुआत के साथ ही सूरज के तेवर सख्त होने लगे हैं। तापमान में वृद्धि के साथ लू का प्रकोप बढ़ने की प्रबल संभावना है, जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम नागरिकों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। भीषण गर्मी में खुद को सेहतमंद रखने के लिए दिनचर्या और खानपान में कुछ आवश्यक बदलाव करना बेहद जरूरी है। चिलचिलाती धूप से बचने के लिए बाहर निकलने के समय और पहनावे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप सबसे तेज होती है, इसलिए इस दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि किसी जरूरी काम से बाहर जाना ही पड़े तो सिर को कपड़े, टोपी या छाते से अच्छी तरह ढंककर ही निकलें। इसके अलावा, गर्मी के मौसम में हमेशा हल्के रंग के, ढीले और सूती वस्त्र पहनना फायदेमंद होता है, जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और त्वचा को सांस लेने का मौका मिलता है।

खानपान और शरीर में पानी का संतुलन

गर्मी के दिनों में शरीर से पसीने के रूप में बहुत अधिक पानी निकल जाता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए प्यास न लगने पर भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सबसे अहम है। सादे पानी के साथ-साथ ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी और अन्य प्राकृतिक तरल पदार्थों का नियमित सेवन शरीर में ऊर्जा और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखता है। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी स्पष्ट रूप से सलाह दी है कि लोग खाली पेट घर से बाहर न निकलें, समय पर पौष्टिक भोजन करें और चाय या कॉफी जैसे कैफीनयुक्त पेयों का सेवन कम से कम करें, क्योंकि ये शरीर को और अधिक डिहाइड्रेट करते हैं।

लू लगने पर तुरंत करें ये उपाय

लू लगना एक गंभीर चिकित्सकीय आपात स्थिति है, जिसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। शरीर के अत्यधिक गर्म होने और तापमान नियंत्रण प्रणाली के विफल होने पर लू का असर होता है। इसके प्रमुख लक्षणों में 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक का तेज बुखार, त्वचा का लाल और गर्म होना, पसीना न आना, चक्कर, घबराहट, उल्टी आना और बेहोशी शामिल हैं। यदि किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत किसी छायादार और ठंडे स्थान पर ले जाएं। उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें और होश में रहने पर ओआरएस का घोल या पानी पिलाएं। इन दिनों हीट हेडेक यानी गर्मी से होने वाले सिरदर्द की समस्या काफी आम हो जाती है। जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी के अनुसार, यह समस्या शरीर में पानी की कमी, ज्यादा देर तक तेज धूप में रहने, नींद पूरी न होने और अधिक कैफीन के सेवन के कारण उत्पन्न होती है। इससे बचने के लिए 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद लेना अनिवार्य है।

राजधानी में हाईप्रोफाइल आयोजनों को यादगार बनाने गीत-संगीत का चलन, अलग से सजाया जा रहा समारोह का मंच

शादी-समारोह में संगीत संध्या का क्रेज, प्रोफेशनल एंकर्स स्टेज पर करा रहे इवेंट, शामिल होते हैं घराती-बाराती

हाईप्रोफाइल शादियों में कल्चरल इवेंट को भव्य स्वरूप देने के लिए एंकर्स से संचालन का क्रेज बढ़ने लगा है। वैवाहिक उत्सव को यादगार बनाने के लिए हल्दी रस्म, संगीत संध्या, रिसेप्शन और जयमाला के समय किस तरह का रुटीन तय है, जानकारी लेने के बाद खनकती आवाज के जादूगर रिश्तों का ऐसा ताना-बाना बुनते हैं कि लोग इस पल को डिजिटल बुके का हिस्सा भी बनाते हैं। एंकर्स भी रस्मों को अलग-अलग गेम्स के जरिए रोचक बनाने का प्रयास करते हैं। इससे घरातियों के साथ बारातियों को भी उत्सव जैसा माहौल मिलता है।

रायपुर। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में रहकर पढ़ाई और सोशल एक्टिविटी से जुड़े युवाओं ने अब प्रोफेशनल एंकर की तरह काम करना शुरू किया है। इससे उन्हें सांस्कृतिक प्रोग्राम के लिए ही नहीं, बल्कि अब हाईप्रोफॉईल शादियों में होने वाली रस्मों पर बेस्ड इवेंट के लिए ऑफर मिलने लगा है। कचना में रहने वाले एंकर ताशिश ने बताया कि अब लोग वैवाहिक रस्मों को भी इवेंट का हिस्सा बनाने के लिए प्रोग्राम संचालन की जिम्मेदारी देते हुए पैकेज में आर्डर करने लगे हैं। अभी 35 से ज्यादा युवा छोटे-बड़े इवेंट्स में एंकरिंग का दायित्व निभाते हुए अपनी क्रिएटिविटी से अवसर को खास बना रहे हैं। करीब चार साल पहले तक शादियों में कुछेक लोग ही बुलाते थे, लेकिन अब शादी के सीजन में प्रोग्राम से ज्यादा वैवाहिक समारोह में धूम मचाने के लिए अवसर मिलने से पूछपरख बढ़ने लगी है।

परिचय देने के साथ रस्मों को बढ़ाते हैं आगे

सोशल एक्टिविटी और एंकरिंग से जुड़ी माना कैंप निवासी प्रियंका उपाध्याय ने बताया कि पहले सिर्फ कल्चरल इवेंट्स में ही एंकरिंग का अवसर मिलता था, लेकिन अब लोग हर आयोजन को उत्सव की तरह सेलिब्रेट करना पसंद करते हैं। इसे देखते हुए एंकर के रूप में मंडप में फेरे का समय आते ही कहते हैं कि अब हम सब विवाह के उस सबसे हृदयस्पर्शी रस्म की ओर बढ़ते हैं। इसे सप्तपदी या सात फेरे, सात वचन, सात जन्मों का साथ, इस पवित्र क्षण के साक्षी बनें...जैसे संवादों से सात वचन बताते हुए एंकर दूल्हे और दुल्हन को वैवाहिक समारोह में शामिल उनके सभी रिश्तेदारों का एक-एक करके परिचय देते हुए रस्मों के क्रम को आगे बढ़ाते हैं।

अब समय आ गया है एक बहुत ही खास...

शादी समारोह की भव्यता के बीच संगीत संध्या भी इवेंट और एंकर बेस्ड हो गया है। इसमें एंकर ही दुल्हन के माता पिता की प्रस्तुति को खास बनाने के लिए बोलते हैं, देवियों और सज्जनों, अब समय आ गया है एक बहुत ही खास प्रस्तुति का। ये वो रिश्ता है, जिसने इस शादी की नींव रखी है। प्यार की वो मूरत, जिसने दुल्हन को इतना खूबसूरत पल दिया है। उसमें प्यार, संस्कार भरते हुए उसे नए घर की गृहलक्ष्मी के लिए तैयार किया है। जी हां, अब मंच पर आ रहे हैं दुल्हन के प्यारे मम्मी-पापा। इस तरह रोचक अंदाज में आयोजन को उत्सव का रूप दिया जाता है। इसका हिस्सा परिजनों समेत वहां आए हुए अतिथि भी बनते हैं।

30 हजार तक प्रति समारोह का देते हैं पैकेज

पढ़ाई के साथ एंकरिंग करने वाली चंचल वर्मा ने बताया कि समय के साथ शहर में होने वाली हाईप्रोफॉईल शादियों में निभाई जाने वाली रस्मों को भी इवेंट की तरह सजाने का प्रयास किया जाने लगा है। लोग आने वाले मेहमानों को व्यस्त रखने का प्रयास भी करने लगे हैं। उनसे जानकारी लेने के बाद रस्मों को थीम बेस्ड किया जाता है। इसमें हर वर्ग को गेम्स के जरिए जोड़ते हैं। बच्चों, युवाओं, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग तरह के टास्क तय किए जाते हैं। इसे खेलने के बीच ही संगीत संध्या के साथ रिसेप्शन, हल्दी रस्म और जयमाला के लिए बुलाने पर प्रोग्राम की जानकारी लेने के बाद 25 से 30 हजार का पैकेज भी देते हैं।

आंखों ने मेरी दोस्तों कैसा ये मंजर देखा है... गजल, गीतों से सजी काव्य संध्या

रविवार की शाम सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल काव्य पंक्तियों व गजल-गीतों से सजी। काव्य संध्या की शुरुआत उमेश कुमार सोनी नयन ने अपनी गजल 'आंखों ने मेरी दोस्तों कैसा ये मंजर देखा है, प्यासा हूं अंदर तक, मगर मैंने समन्दर देखा है' पढ़ी तो काव्य गोष्ठी ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

रायपुर। यह आयोजन साहित्य सृजन संस्थान द्वारा शाम 4 बजे से किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह संस्था द्वारा 44वीं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इसमें शहर से लेकर प्रदेश भर से वरिष्ठ व युवा कवि-कवत्रियों ने कविता पाठ किया। उन्होंने हास्य, वीर रस से श्रोताओं को कभी गुदगुदाया तो कभी आंदोलित किया। प्रकृति प्रेम, देश भक्ति, ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर व्यंगात्मक, हास्यात्मक और वीर रस की कविताएं पढ़ी गईं। इसमें भिलाई, बागबाहरा, रायगढ़ से साहित्यकारों ने भाग लिया। प्रसिद्द शायर सुदेश कुमार मेहर ने अपनी बेहतरीन ग़ज़लों के साथ

कविताओं का पाठ किया। मुख्य अतिथि रायगढ़ की दिव्या पाण्डेय रहीं। वहीं, अध्यक्षता वीर अजीत कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक डॉ. संजय अलंग (पूर्व आईएएस) और साहित्यकार सहित बड़ी संख्या में काव्य प्रेमी व कविगण उपस्थित रहे। काव्य गोष्ठी का संचालन उमेश कुमार सोनी नयन ने किया।

पद्म विभूषण आशा भोसले के सम्मान में 26 को सजेगी सांगीतिक महफिल

रायपुर। गुनरस पिया फाउंडेशन की मासिक सांगीतिक बैठक इस बार बेहद खास होने जा रही है। आगामी 26 अप्रैल को होने वाली इस बैठक में संस्था के कलाकार महान गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के नायाब व सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर उनके संगीत सफर का सम्मान करेंगे। यह संगीतमय कार्यक्रम अनुराग शुक्ल के शुक्ला कॉलोनी, रविनगर स्थित निवास पर शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस सुरीली शाम में गायकों के साथ की-बोर्ड पर विनोद संघाणी और दीप गुंदेगांवकर, तबले पर सुशील गोल्हानी और राकेश देशमुख, गिटार पर अतीक रहमान तथा हारमोनियम पर संस्था के डायरेक्टर दीपक व्यास संगत करेंगे।

शादी को यादगार बनाने के लिए अब युवा ट्रेंड को कर रहे फॉलो

बारात को रॉयल लुक देने ओपन रूफ, कन्वर्टिबल, विंटेज कारों की मांग, एक दिन का किराया 11 से 35 हजार तक

कार्नर न्यूज

"शादी-ब्याह के सीजन में इस बार भी बारात के अंदाज में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां पहले दूल्हे पारंपरिक घोड़ी पर सवार होकर बारात लेकर निकलते थे, अब उनकी जगह ओपन रूफ, कन्वर्टिबल और रॉयल लुक वाली विंटेज कारों ने ले ली है। आधुनिक दौर में शादी को खास और यादगार बनाने की चाहत ने इस ट्रेंड को तेजी से बढ़ावा दिया है।"

विंटेज कारों का किराया 35 हजार तक

विंटेज कारों को फूलों, एलईडी लाइट्स, रिबन और थीम डेकोरेशन से सजाया जाता है, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक हो जाता है। कई परिवार दूल्हा-दुल्हन की ग्रैंड एंट्री, जयमाला स्टेज और फोटोशूट के लिए अलग से पैकेज भी बुक कर रहे हैं। इससे शादी का पूरा माहौल शाही और भव्य नजर आता है। शहर के वेडिंग मैनेजमेंट कारोबारी वेदांत शर्मा के अनुसार, विंटेज कारों का किराया 11 हजार रुपए से शुरू होकर 35 हजार रुपए तक पहुंच जाता है। किराया कार के मॉडल, ब्रांड, समय, सजावट और उपयोग के आधार पर तय होता है। ओपन रूफ और कन्वर्टिबल कारों का शुल्क सामान्य कारों की तुलना में अधिक होता है। वहीं पीक सीजन में एडवांस बुकिंग के चलते कीमतों में और बढ़ोतरी हो जाती है।

रायपुर। खासकर युवा दूल्हे अब शाही अंदाज में एंट्री करना पसंद कर रहे हैं, जिससे उनकी बारात मेहमानों के बीच आकर्षण का केंद्र बन रही है। वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े मंयक तिवारी का कहना है कि इस ट्रेंड को बढ़ाने में सोशल मीडिया का बड़ा योगदान है। आजकल प्री-वेडिंग शूट, सिनेमैटिक वीडियोग्राफी और रील्स का चलन बढ़ गया है। ऐसे में ओपन रूफ और कन्वर्टिबल कारें फोटो, वीडियो में रॉयल फील देती हैं। यही कारण है कि दूल्हे अब स्टाइलिश और क्लासिक एंट्री के लिए विंटेज कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

ट्रेंड ने बारात के पारंपरिक अंदाज को बदला

अगर बारात शहर से बाहर या रिसॉर्ट वेडिंग में जानी हो तो किराया अलग से तय किया जाता है। दूरी, समय और लोकेशन के आधार पर अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है। ड्राइवर चार्ज, फ्यूल, नाइट स्टे और टाइम एक्सटेंशन जैसी सुविधाएं भी इसमें शामिल होती हैं।

डेस्टिनेशन वेडिंग में भी बढ़ी मांग

इस बार शादी सीजन में विंटेज कारें सिर्फ शहर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डेस्टिनेशन वेडिंग और आउटडोर रिसेप्शन में भी पहली पसंद बन रही हैं। शाही एंट्री के इस ट्रेंड ने बारात के पारंपरिक अंदाज को पूरी तरह बदल दिया है।

सिटी लाइव

अग्र सेवा गौशाला में 51 गोमाताओं का मंगल प्रवेश, खिलाई गुड़ और घरों से लाई रोटियां

रायपुर। ग्राम तर्रा स्थित निर्माणाधीन अग्र सेवा गौशाला में अग्र सेवा सोसायटी की उपसमिति की आमसभा हुई। इस अवसर पर नवनिर्मित शेड का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उद्घाटन किया गया और 51 गोमाताओं को पूरे विधि-विधान से मंगल प्रवेश कराया गया। इसके साथ ही संस्था ने समाज सेवा का विस्तार करते हुए डायलिसिस मरीजों की सहायता और पर्यावरण संरक्षण जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। गौशाला परिसर में पूर्ण रूप से तैयार शेड क्रमांक-1 का उद्घाटन मुख्य सहयोगी अशोक अग्रवाल के करकमलों द्वारा उनके परिजनों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर किया गया। शेड के उद्घाटन के पश्चात 51 गोमाताओं को 'गौ माता की जय' के उद्घोष और पुष्पवर्षा के साथ प्रवेश कराया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने चंदन, अक्षत और पुष्पमाला से गौमाताओं की आरती कर उन्हें हरा चारा, गुड़ और घरों से लाई गई रोटियां खिलाकर सेवाभाव व्यक्त किया।

सोलर सिस्टम का उपयोग करने का निर्णय

आमसभा में गौशाला के समग्र विकास और गोकुल नगर गोठान के संचालन के साथ-साथ समाजसेवा के अन्य प्रकल्पों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। संस्था द्वारा सर्वसमाज की सेवा के तहत डायलिसिस पीड़ित मरीजों के लिए एक नया सेवा केंद्र प्रारंभ करने और निर्माणाधीन गौशाला परिसर में ऊर्जा के लिए अधिकतम सोलर सिस्टम का उपयोग करने का सकारात्मक निर्णय लिया गया। पर्यावरण संरक्षण और गोमाताओं को शीतल वातावरण देने के उद्देश्य से 'बुजुर्गों के नाम एक पेड़' का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित हुआ। इसके तहत सभी सदस्य अपने पूर्वजों के नाम पर गौशाला प्रांगण में कम से कम दो पौधे रोपेंगे।

समाज लाइव

तपस्वियों ने किया चैत्यवंदन और मनाया इक्षुरस से स्नात्र महोत्सव

रायपुर। तीर्थंकर परमात्मा श्री महावीर स्वामी के पंचम गणधर, पट्ट परम्परा के प्रथम महानायक श्री सुधर्मा स्वामी के पट्ट पर विराजित 82वें वर्तमान पट्टधर आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में अक्षय तृतीया पर मूलनायक श्री सीमंधर स्वामी व आदिनाथ भगवान का इक्षुरस से स्नात्र महोत्सव मनाया गया। पहले प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का प्रवज्या ग्रहण करने के बाद लगातार 400 दिनों के उपवास का पारणा श्रेयांस कुमार के हाथों इक्षुरस से ही हुआ था। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि तीर्थंकर परमात्मा को भी अपने पूर्व कर्मों के उदय में आने के कारण 400 दिनों तक गोचरी में अन्न नहीं मिला।

पत्रिका लेखन में आने का भाव भरा आग्रह किया

उन्होंने बताया कि पूरी घटना हमें जीवदया की प्रेरणा देती है। इस प्रत्यर्थ आज श्रावक-श्राविकाओं ने मूक पशुओं को चारा, भोज्य पदार्थ की जीवदया करने का संकल्प लिया है। प्रभु श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर व मणिधारी दादाबाड़ी, नवकार नगर द्वारा सीमधर स्वामी जैन मंदिर दादाबाड़ी ट्रस्ट की मंदिर की ईंट को निमंत्रण के प्रतीक स्वरूप देकर कल पत्रिका लेखन में आने का भाव भरा आग्रह किया। रविवार को भैरव सोसाइटी में अध्यक्ष सन्तोष बैद व ट्रस्टियों एवं भक्तगणों ने प्रातः 10 बजे शिला का अष्टप्रकारी पूजन करके नवकार नगर में स्थापित किया।

इवेंट लाइव

एआई और स्वविवेक के सही समन्वय से ही तय होगा विकास का रास्ता

रायपुर। चौबे कॉलोनी स्थित प्रगति कॉलेज में सोमवार जनसंचार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जनसंपर्क विभाग, रायपुर के अपर संचालक धनंजय राठौड़ उपस्थित हुए।महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सौम्या नैयर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब केवल एक तकनीक नहीं रह गई है, बल्कि यह संचार का एक नया और सशक्त आयाम बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों को बदलते मीडिया परिदृश्य के प्रति सचेत करते हुए कहा कि एआई को समझकर ही हम भविष्य की पत्रकारिता एवं जनसंपर्क के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य वक्ता धनंजय राठौड़ ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि एआई के सीमित उपयोग और अपने स्वविवेक से तकनीक के साथ सही समन्वय स्थापित कर हम विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कई व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए।

जिज्ञासाओं का समाधान किया गया

कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता द्वारा विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के. एन. गजपाल और पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक संजीव वर्मा ने धनंजय राठौड़ को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम का सुचारू संचालन कु. स्वालेहा निसा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन जनसंचार विभाग के प्राध्यापक कुमार बहुखंडी ने दिया। इस ज्ञानवर्धक सेमिनार में प्राचार्या डॉ. सौम्या नैयर, डॉ. केएन गजपाल, एडमिनिस्ट्रेटर मिस ज्योति ठाकुर सहित जनसंचार एवं शिक्षा विभाग के समस्त प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया पर निभाई गई परंपरा, बच्चों ने किया विवाह उत्सव और शिवलिंग पर घट से प्रवाहित की जलधारा

गुड्डे-गुड़िया का ब्याह रचाने घरों और मंदिरों में सजे मंडप, बच्चों के आमंत्रण पर परिवारों ने भी निभाई रस्में

अक्षय तृतीया पर बच्चों ने बड़ों की नकल करते हुए सामाजिक सरोकार से जुड़ी वैवाहिक परंपरा का निर्वहन किया। समाज में होने वाले शादी-ब्याह में जिस तरह की परंपराओं का निर्वहन लोग करते हैं। गुड्डे-गुड़िया का ब्याह रचाने हुए बच्चों ने भी बड़ों की तरह अबूझ मुहूर्त में लग्न मंडप सजाया, साथ ही मंडप में हल्दी-तेल और मायन की रस्में भी निभाईं। गोधूलि बेला में कन्या पक्ष के लोगों ने बारातियों का स्वागत किया, उन्हें नास्ता परोसने के बाद व्यावहारिक पहलू को भी निभाया। शादी में शामिल होने के लिए आसपास के लोगों को आमंत्रित किया गया और उनके पहुंचने पर खुशी जाहिर की। इसके बाद गीत-संगीत के साथ ब्याह की रस्में निभाईं।

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित मां महामाया मंदिर प्रांगण में दोपहर से गुड्डे-गुड़िया का ब्याह रचाने के लिए सारी तैयारी बच्चों द्वारा की गई। इसमें उनके परिवार के लोग भी शामिल हुए। मंदिर के आसपास रहने वाले परिवारों के बच्चों ने छत्तीसगढ़ी परंपराओं का पालन किया। अक्षय तृतीया तिथि पर दिनभर हल्दी-मेहंदी का सिलसिला चला। शाम होते ही बारात स्वागत की तैयारी गुड़िया पक्ष के लोगों ने की। वहीं गुड्डा पक्ष के लोग गोधूलि बेला में बारात के साथ पहुंचे। इसकी खबर मिलते ही गुड़िया पक्ष के लोग पानी और नास्ता साथ लेकर जनवासा पहुंचे, जहां बारातियों को बिस्किट, मिक्चर, पोहा, केला का नास्ता परोसा। आमंत्रित अतिथियों की आवभगत भी की गई। इसके बाद गुड्डे-गुड़िया की शादी के दौरान अतिथियों ने टिकावन स्वरूप उपहार दिए। इस बीच गीत-संगीत का माहौल देने के लिए बच्चों ने म्यूजिक सिस्टम का उपयोग किया।

बच्चों ने परिवार के साथ किया आयोजन

अक्ती पर्व पर बच्चे परिवार के लोगों को साथ लेकर जरूरी सामान लेने के लिए बाजार भी पहुंचे, इससे दिनभर रौनक देखने को मिली। जहां बच्चे उत्साह के साथ खरीदी करने में जुटे रहे। पुरानी बस्ती स्थित दुकान संचालक पूजा मानिकपुरी ने बताया कि दुकान में मऊर, कलश, दीपक, मिट्टी से तैयार गुड्डे-गुड़िया की दिनभर पूछपरख रही। इस वर्ष प्रतिमाओं को आकर्षक ढंग से सजाने के लिए चमकीले रंग और मुकुट की डिमांड रही। बारातियों का स्वागत करने के लिए बच्चों ने दोना, पत्तल, डिस्पोजल सहित बजट के अनुरूप ही बिस्किट, पोहा, मिक्चर, केला, अंगूर खरीदने में रुचि दिखाई।

गोधूलि बेला में निभाईं विवाह की रस्में

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर बच्चों ने बड़ों की तरह ही गोधूलि बेला का इंतजार किया। शाम ढलते ही विवाह उत्सव का सिलसिला शुरू हुआ। ब्राह्मण पारा निवासी मीनाक्षी तिवारी ने बताया कि अक्ती पर्व घर पर मनाया जाता है, जिसमें सुबह से ही विवाह रस्मों की शुरुआत हो जाती है। इसमें पारंपरिक रीति-रिवाज से गुड्डे-गुड़िया की शादी की जाती है, इसमें तुलसी पेड़ के पास, आम पेड़ का मंडप तैयार किया गया, जिसमें कलश, मऊर, दीपक, हल्दी, सूपा जैसी सामग्री शामिल रही। शादी के दौरान घर व आसपास के लोग टिकावन की रस्म निभाने के लिए आमंत्रण पर शामिल हुए।

भक्त दो महीने करेंगे जल दान, शिवलिंग बहेगी जलधारा

पं. नीलकंठ त्रिपाठी और पं. देवचरण शर्मा ने बताया कि अक्षय तृतीया तिथि पर भगवान महादेव को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए घट से निरंतर जल की धारा प्रवाहित होती रहे, इसके लिए व्यवस्था बनाई गई है। उन्होंने बताया कि समुद्र मंथन में प्राप्त विष धारण करने से उनके गले में जलन होती है। इससे राहत प्राप्त करने के लिए महादेव गले में सर्प धारण करते हैं। इसे देखते हुए भक्त हर साल अक्षय तृतीया से जलधारा प्रवाहित करते हुए पुण्य प्राप्त करते हैं। इसके लिए सभी शिवालयों में जलधारा प्रवाहित करने घड़े स्थापित किए।

आर्टिफिशियल फूलों से सजाया लग्न मंडप

रंगबिरंगे पोशाक में तैयार प्रतिमाएं बाजार में आकर्षण का केंद्र रही। इसमें गुड्डे-गुड़ियों को भी विवाह की पोशाक धारण कराने बच्चों ने खरीदी की। साथ ही छोटे आकार के कलश, दीपक, मंडप, मऊर, सूपा, पर्रा भी लग्न मंडप के आकर्षण का केंद्र रहा। आर्टिफिशियल फूलों और रंगबिरंगे धागों से सजाया गया, वहीं पर्रा और सूपा कागज से सजे थे। कुल मिलाकर बच्चों ने गुड्डे-गुड़िया की शादी करते हुए परंपराओं का निर्वहन करते हुए बड़ों के समक्ष आदर्श स्वरूप प्रस्तुत किया। अयोध्या नगर मठपुरैना, भाठागांव, पुरानी बस्ती, संतोषी नगर, डीडीनगर, टिकरापारा सहित सभी क्षेत्र में आयोजनों का सिलसिला चला।

आदर्श विवाह में 65 जोड़ों ने लिए फेरे, किया गृहस्थ जीवन में प्रवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ हरदिहा साहू समाज ने चतुर्थ चरण में सोमवार को कांदुल में आदर्श विवाह का आयोजन किया। इसमें 65 जोड़ों ने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम अरुण साव रहे एवं अध्यक्षता मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने की। वहीं गौसेवा आयोग के अध्यक्ष बिसेश्वर पटेल, जितेंद्र साहू एवं समाज के संरक्षक आरडीए अध्यक्ष नंदकुमार साहू विशेष अतिथि रहे। इस समारोह में डिप्टी सीएम साव ने 5000000 रुपए की घोषणा पचपेड़ी में मंगल भवन बनाने के लिए की। गुरु खुशवंत साहेब ने समोदा क्षेत्र में साहू समाज के लिए भवन निर्माण करने की घोषणा की। इसमें मुख्य रूप से समाज के अध्यक्ष विनय साहू, उपाध्यक्ष गज्जू साहू, सचिव तीर्थराम साहू, कोषाध्यक्ष राजकुमार साहू ने आयोजन को सफल बनाने का दायित्व निभाया।

आयोजन में शामिल होने का समाज ने दिया अवसर

महिला संगठन के सदस्यों और पदाधिकारियों सहित युवा संगठन के सभी पदाधिकारियों ने अलग-अलग दायित्वों का निर्वहन किया। सुचारू रूप से 15000 लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। पार्किंग, पंडाल, माइक सहित जल व्यवस्था में समाज के सभी लोगों ने सहयोग दिया। इस आयोजन में वर और वधू पक्ष के लोगों सहित रिश्तेदारों को भी इस आयोजन में शामिल होने का अवसर समाज की पहल पर दिया गया। जिस तरह से माता-पिता परिवार के बीच वैवाहिक आयोजन का दायित्व निभाते हैं, कुछ वैसा ही खुशनुमा माहौल समाज के लोगों की सहभागिता से वर और वधू पक्ष के लोगों को देने का प्रयास किया गया।

तनाव प्रबंधन, एकाग्रता के साथ विद्यार्थियों ने सीखी संवाद कला

रायपुर। गुरुकुल महिला कालेज में चार दिवसीय यूथ एम्पॉवरमेंट एंड स्किल्स वर्कशॉप यस प्लस का समापन किया गया। 16 अप्रैल से शुरू हुई इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साह एवं सक्रिय भागीदारी के साथ विभिन्न सत्रों का लाभ लिया। समापन दिवस पर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं ऊर्जा का विशेष संचार देखने को मिला। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने तनाव प्रबंधन, एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन एवं प्रभावी संवाद कला जैसे कई महत्वपूर्ण जीवन कौशल को भी सीखा। प्रशिक्षिका सीएस पूजा जिंदल ने व्यावहारिक एवं सरल तकनीक के माध्यम से छात्राओं को बताए गए गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

आर्ट ऑफ लिविंग टीम का जताया आभार

कालेज प्रबंधन ने आयोजन के लिए आर्ट ऑफ लिविंग टीम एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कालेज प्रांगण में कार्यशाला के समापन से पहले विद्यार्थियों के उत्साह को देखते हुए आगे भी इस तरह के आयोजन करने पर जोर दिया गया। साथ ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की गई। इस अवसर पर वक्ता ने कहा कि चार दिनों में सिखाई गई कला को जीवन का हिस्सा बनाएं, सफलता की संभावना में इजाफा होगा।

आत्मचिंतन, व्यक्तिगत विकास भी जरूरी

अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह कार्यशाला उनके लिए अत्यंत उपयोगी एवं जीवन में सकारात्मक सोच के साथ परिवर्तन लाने वाला रहा है। कार्यशाला में विभिन्न तरह के अभ्यास, ध्यान एवं समूह गतिविधियों ने विद्यार्थियों को आत्मचिंतन और व्यक्तिगत विकास का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही जीवन में आने वाली चुनौतियों का उचित प्रबंधन करते हुए किस प्रकार समाधान किया जा सकता है, इसके बारे में भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया गया।

बच्चों में बढ़ रहे डिप्रेशन और एग्रेशन को दूर करने टीचर्स की कार्यशाला

कार्नर न्यूज

विरासत के संस्कारों से दूर होगा बच्चों का एग्रेशन, 55 दिनों के विशेष होमवर्क से सीखेंगे जीवन जीने की कला

रायपुर। गर्मी की 55 दिन लंबी छुट्टियों में बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट की लत से बचाकर उनमें धैर्य, अनुशासन और करुणा जैसे गुण विकसित करने के लिए एक अनूठी पहल की गई है। जैन संवेदना ट्रस्ट की ओर से 'सहेजें अपने विरासत के संस्कारों को' विषय पर स्कूली शिक्षकों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है, ताकि वे बच्चों को छुट्टियों के दौरान ऐसा होमवर्क दें जो उन्हें जीवन के वास्तविक मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों से जोड़ सके। जैन संवेदना ट्रस्ट ने बताया कि वर्तमान परिवेश में बच्चों के भीतर सहनशीलता और धैर्य की भारी कमी देखी जा रही है। बच्चे अपना अधिकांश समय टीवी, मोबाइल और कंप्यूटर पर बिता रहे हैं। एकाकीपन के कारण बच्चों में डिप्रेशन और अत्यधिक एग्रेशन (गुस्सा) जैसी गंभीर स्थितियां निर्मित हो रही हैं। इन विपरीत परिस्थितियों से बच्चों को उबारने के लिए ट्रस्ट ने यह प्रोजेक्ट तैयार किया है। इसके तहत विभिन्न स्कूलों के माध्यम से कार्यशालाएं आयोजित कर शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी कड़ी में संतोषी नगर स्थित वर्धमान द स्कूल में आयोजित कार्यशाला में प्रसिद्ध शिक्षाविद और मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

विद्यार्थियों को करेंगे पुरस्कृत

विजय चोपड़ा ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि संस्कार हमेशा विरासत में मिलते हैं, इन्हें बाजार से नहीं खरीदा जा सकता। इसी मूल वाक्य को इस पूरे प्रोजेक्ट में समाहित किया गया है। कार्यशाला के माध्यम से शिक्षकों को इन विषयों को विस्तार से समझाया गया, ताकि वे बच्चों के होमवर्क में इन्हें सफलतापूर्वक शामिल कर सकें। ट्रस्ट ने बताया कि आने वाले समय में अन्य स्कूलों में भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। छुट्टियों के बाद कक्षा पहली से बारहवीं तक के उत्कृष्ट प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया जाएगा और प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

समय बिताकर उनके अनुभव समझने होंगे

मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा ने कार्यशाला में शिक्षकों को एक विशेष मंत्र दिया, जिसके आधार पर बच्चों को इन 55 दिनों के वेकेशन के लिए एक प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट तैयार करना है। इस प्रोजेक्ट के तहत बच्चों को अपने दादा-दादी, नाना-नानी या अन्य वरिष्ठ परिजनों के साथ समय बिताकर उनके अनुभव समझने होंगे। साथ ही, परिजनों के साथ धार्मिक स्थलों पर जाकर वहां के आत्मिक अनुभवों को प्रोजेक्ट में साझा करना होगा। इसके अलावा, मोहल्ले के बुजुर्गों से परिचय बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ना और प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए छोटे-छोटे सहयोग करना भी इस होमवर्क का अहम हिस्सा है। पारिवारिक प्रेम को बढ़ावा देने के लिए परिवार के सभी सदस्यों को दिन में कम से कम एक बार साथ बैठकर भोजन करने और सार्थक चर्चा करने का लक्ष्य भी इस प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है।

सेहत

सोने से पहले इन आदतों को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा, आपको मिलेगी गहरी नींद

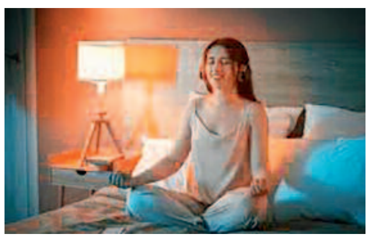

रात को सोने से पहले की आदतें हमारे पूरे दिन को प्रभावित कर सकती हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपकी नींद गहरी हो तो आपको अपनी शाम की दिनचर्या पर ध्यान देना होगा। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान और प्रभावी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शाम की दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं। इन आदतों से न केवल आपकी नींद बेहतर होगी, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी सुधरेगा।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बनाएं : रात को सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कम करें। टीवी, मोबाइल फोन या कंप्यूटर स्क्रीन पर बिताया समय नींद पर बुरा असर डालता है। इन उपकरणों की नीली रोशनी हमारी आंखों को जगाए रखती है, जिससे हमें नींद नहीं आती। बेहतर होगा कि आप इन उपकरणों को अपने बिस्तर से दूर रखें और सोने कम से कम एक घंटा पहले से इनका उपयोग न करें। इसके बजाय किताब पढ़ना या संगीत सुनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

हल्का खाना खाएं : रात का खाना हल्का और स्वास्थ्यवर्धक होना चाहिए, ताकि पेट पर अधिक दबाव न पड़े। भारी खाना खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे नींद में खलल पड़ता है। बेहतर होगा कि आप रात का खाना कम तेल-मसाले वाला और ताजगी से भरपूर रखें। सलाद, दही या सूप जैसे हल्के विकल्प चुनें। इससे आपका पाचन सही रहेगा और आपको गहरी नींद मिलेगी। इस तरह आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे।

नियमित समय पर सोएं : हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे आपका शरीर एक निश्चित समय पर सोने के लिए तैयार हो जाएगा और नींद अच्छी आएगी। नियमित समय पर सोने से आपकी जैविक घड़ी सही रहती है, जिससे आप जल्दी सो जाते हैं और गहरी नींद ले पाते हैं। इससे आपकी ऊर्जा स्तर दिनभर ऊंचा रहता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

गर्मियों के दौरान मुंहासों से बचने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे, होगा बेहतरीन फायदा

गर्मियों में उमस और पसीने के कारण त्वचा पर मुंहासे हो सकते हैं। यह समस्या सिर्फ किशोरों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवा और वयस्कों में भी आम है। इस मौसम में पसीना, गंदगी और बैक्टीरिया त्वचा के छिद्रों को बंद कर सकते हैं, जिससे मुंहासे हो सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों के दौरान मुंहासों से बच सकते हैं।

नियमित तौर पर चेहरा धोएं : हर दिन दो बार, सुबह और रात को अपने चेहरे को धोएं। इसके लिए आप किसी भी हल्के फेसवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और गंदगी, तेल और बैक्टीरिया के कारण होने वाले मुंहासों से बचाव होगा। चेहरा धोने के लिए गर्म पानी का उपयोग न करें क्योंकि इससे त्वचा का प्राकृतिक तेल प्रभावित हो सकता है। इसके बजाय गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और उसके बाद चेहरे को मुलायम तौलिये से पोंछें।

त्वचा की गहराई से सफाई करें : त्वचा की सफाई करने से त्वचा की मृत कोशिकाएं हटती हैं और छिद्र साफ होते हैं। आप हफ्ते में एक या दो बार स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए चीनी, नमक या किसी अन्य प्राकृतिक स्क्रब का चयन करें। हालांकि, ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा स्क्रब करने से त्वचा पर जलन हो सकती है, इसलिए इसे धीरे-धीरे और हल्के हाथों से करें। इसके अलावा आप चाहें तो दाल और दूध से भी स्क्रब बना सकते हैं।

मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना न भूलें : बहुत से लोग यह मानते हैं कि तैलीय त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाने से मुंहासे बढ़ सकते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। सही प्रकार का मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को नमी देता है और त्वचा का संतुलन बनाए रखता है। इसके लिए जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें क्योंकि ये हल्के होते हैं और त्वचा को ताजगी देते हैं। इसके अलावा ये त्वचा को तैलीय भी नहीं बनाते हैं।

कई पोषक तत्वों से भरपूर, इनका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है

सूखे मेवे स्वास्थ्य के लिए हो सकते हैं हानिकारक? जानिए इससे जुड़े भ्रमों की सच्चाई

सूखे मेवे खाने से सेहत को नुकसान पहुंचने की बात कई लोग कहते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से सच नहीं है। सूखे मेवे खाने से आपको पोषण नहीं मिल सकता, यह भी एक सामान्य धारणा है। हालांकि, सूखे मेवे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। आइए आज हम आपको सूखे मेवे खाने से जुड़ी कुछ आम गलत धारणाएं और उनकी सच्चाई बताते हैं।

धारणा : सूखे मेवे खाने से पाचन पर पड़ता है बुरा असर

यह एक आम धारणा है कि सूखे मेवे खाने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। सूखे मेवे खाने से अगर आपको कोई परेशानी होती है तो इसकी वजह हो सकती है कि आपने उन्हें ठीक से नहीं चबाया या बहुत अधिक मात्रा में खा लिया हो। अगर आप सूखे मेवे सही मात्रा में खाते हैं और उन्हें अच्छे से चबाकर खाते हैं तो इससे पाचन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता।

धारणा : सूखे मेवे खाने से बढ़ता है वजन

सूखे मेवे खाने से वजन बढ़ता है, यह सबसे आम गलत धारणा है। हालांकि, सूखे मेवे संतुलित आहार का हिस्सा होने चाहिए और इन्हें सही मात्रा में खाने पर इनसे वजन नहीं बढ़ता। सूखे मेवे फाइबर, प्रोटीन और सेहतमंद चर्बी से भरपूर होते हैं, जो वजन कम करने में मदद कर सकते हैं। इन्हें सही मात्रा में खाने से आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होगा और आप ज्यादा खाने से बच सकेंगे।

धारणा : सूखे मेवे खाने से होती है एलर्जी

कुछ लोगों का मानना है कि सूखे मेवे खाने से एलर्जी होती है, लेकिन यह पूरी तरह से गलत है। अगर आपको किसी खास चीज से एलर्जी होती है तो आपको उससे बचना चाहिए, फिर चाहे वह ठंडा हो या गर्म। सूखे मेवे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसलिए सूखे मेवे खाने से होने वाली एलर्जी के डर को दूर कर देना चाहिए।

धारणा : सूखे मेवे खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है कमजोर

कुछ लोग मानते हैं कि सूखे मेवे खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। सूखे मेवे विटामिन-E और जिंक जैसे तत्वों से भरपूर होते हैं, जो शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत को मजबूत बनाते हैं। इसलिए, सूखे मेवे खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत कमजोर नहीं होती, बल्कि इसे मजबूती मिलती है।

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को हो सकती हैं कई परेशानियां, बरतें सावधानी

गर्भावस्था एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील समय होता है। इस दौरान महिलाओं को कई शारीरिक और मानसिक बदलावों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इन बदलावों के साथ कुछ छिपे हुए जोखिम भी आते हैं, जिनके बारे में अधिकतर महिलाओं को पता नहीं होता। इन छिपे हुए जोखिमों के बारे में जानकर महिलाएं बेहतर तरीके से अपनी गर्भावस्था का प्रबंधन कर सकती हैं और किसी भी अप्रत्याशित समस्या से बच सकती हैं।

नींद की परेशानी : गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर नींद न आने की परेशानी होती है। यह परेशानी मुख्य रूप से हार्मोनल बदलावों और शारीरिक असुविधाओं के कारण होती है। महिलाओं को यह समझना चाहिए कि यह एक सामान्य समस्या है और इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सही खान-पान, हल्की कसरत और सोने से पहले आरामदायक माहौल बनाकर वे इस समस्या से निजात पा सकती हैं। अच्छी नींद लेना बच्चे और मां, दोनों के लिए जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर : गर्भावस्था के दौरान मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। महिलाओं को उदासी, चिंता या तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यह जरूरी है कि इस दौरान वे अपने मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ से सलाह लें। मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, इसलिए समय-समय पर अपने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य की जांच करवाना जरूरी है, ताकि आप खुशहाल रह सकें।

दूध का झंझट खत्म! इन 'कैल्शियम शॉट्स' से भी लोहे जैसी मजबूत बनेंगी हड्डियां

जब भी डॉक्टर आपको कैल्शियम डाइट बढ़ाने के लिए कहते हैं तो दिमाग में सबसे पहले एक गिलास दूध ही आता है लेकिन आपको ये जान लेना चाहिए कैल्शियम सिर्फ दूध से हीं नहीं और दूसरे ड्रिंक्स से भी ले सकते हैं। खासतौर पर जिन लोगों को डेयरी प्रोडक्ट और दूध पसंद नहीं होते, वो अपनी हड्डियों को मजबूत बनाने और कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए बताए गए सुपर ड्रिंक्स भी ट्राई कर सकते हैं। ये सेहत और स्वाद के लिए अच्छे तो हैं ही, आपके शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी को भी पूरा करते हैं।

बादाम, सोया या ओट मिल्क : बाजार में बादाम का दूध, सोया मिल्क और ओट मिल्क आसानी से मिल जाता है। ये पोषण और कैल्शियम के मामले में लगभग गाय के दूध के समान ही होते हैं। हालांकि इनको खरीदने से पहले लेवल पर कैल्शियम की मात्रा और सावधानियां पढ़ लेनी चाहिए। यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है तो घर पर भी बादाम और ओट मिल्क बनाकर पी सकते हैं।

छाछ या लस्सी : हेल्दी डायजेशन और कैल्शियम की कमी को कुछ हद तक पूरा करने में दही का भी रोल है। दही और छाछ इसके ही प्रोडक्ट है, जिन्हें नेचुरल प्रो-बायोटिक भी कहते हैं। खासतौर पर गर्मियों में छाछ या लस्सी, दूध से कहीं जल्दी पच जाता है और लिवर हेल्थ इंप्रूव करता है। ये शरीर को अंदर से ठंडा और हाइड्रेटिड रखने के साथ-साथ शरीर के पोषण के लिए भी बेस्ट है।

नारियल का दूध : जैसे गर्मियों में नारियल पानी आपके शरीर को तरोताजा कर देता है। ठीक वैसे ही कोकोनट मिल्क से भी शरीर को हेल्दी फैट और कुछ मात्रा में कैल्शियम भी मिल जाता है। बेशक नारियल के दूध में डेयरी मिल्क जितना कैल्शियम नहीं होता, लेकिन ये रोजाना के लिए जरूरी कैल्शियल और मिनरल की खपत को पूरा सकता है।

स्मूदी : दूध पीना पसंद नहीं है तो अलग-अलग फल और सब्जियों की स्मूदी ट्राई कर सकते हैं। ये आपके शरीर में कैल्शियम के साथ-साथ दूसरे पोषक तत्वों को भी पहुंचा देगी। उदाहरण के लिए- दही और पालक की स्मूदी, केले की स्मूदी आदि। आप चाहें बाजार से योगर्ट भी ले सकते हैं, जिसमें कैल्शियम अलग से एड किया जाता है। ये शरीर की डेली कैल्शियम नीड को पूरा करने में मददगार है।

संतरे का रस : आमतौर पर लोग समझते हैं कि संतरा सिर्फ विटामिन-सी का ही सोर्स है, लेकिन असल में संतरे में भी कुछ मात्रा में कैल्शियम होता है। बाजार में मिलने वाले पैक्ड संतरे के जूस में भी कैल्शियम अलग से एड किया जाता है। ध्यान दें कि कम या नॉन- शुगर वाले पैक्ड जूस को ही लेना चाहिए।

लाल या काला मटका....? किसका पानी है ज्यादा ठंडा

गर्मियों के मौसम में मिट्टी के बर्तनों (मटकों) की मांग बढ़ जाती है। हालांकि, बाजार में लाल और काले, दोनों तरह के मटके उपलब्ध होने के कारण लोग अक्सर इस बात को लेकर असमंजस में पड़ जाते हैं कि उन्हें कौन सा खरीदना चाहिए। अगर आपके मन में भी यही सवाल है, तो यह लेख खास आपके लिए ही है।

लाल मिट्टी के बर्तन के फायदे

लाल मिट्टी का बर्तन साधारण मिट्टी से बनाया जाता है। इसकी कीमत भी बहुत कम होती है। हालांकि, इसमें छिद्रों की मात्रा काफी कम होती है, जहां एक तरफ यह गर्मियों में पानी को जल्दी ठंडा कर देता है, वहीं दूसरी तरफ यह पानी को लंबे समय तक ठंडा नहीं रख पाता।

लाल घड़े के पानी से स्वास्थ्य लाभ : इसमें रखे पानी को पीने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की बात करें, तो लाल मिट्टी का बर्तन शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे एसिडिटी, पेट की समस्याओं और अपच से राहत मिलती है। इसके अलावा, गर्मियों के मौसम में इस तरह के बर्तन में रखा पानी पीने से गले से जुड़ी बीमारियों से भी राहत मिल सकती है।

काले मटके के फायदे : काले मटके को काली मिट्टी से बनाए जाते हैं। अगर आप घर पर काले मिट्टी का बर्तन लाते हैं, तो आपको दो खास फ़ायदे मिल सकते हैं। पहला, यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है और दूसरा साधारण मिट्टी के बर्तनों की तुलना में इसमें बहुत छोटे-छोटे छिद्रों की संख्या ज्यादा होती है, जिससे इसमें रखा पानी लंबे समय तक ठंडा रहता है।

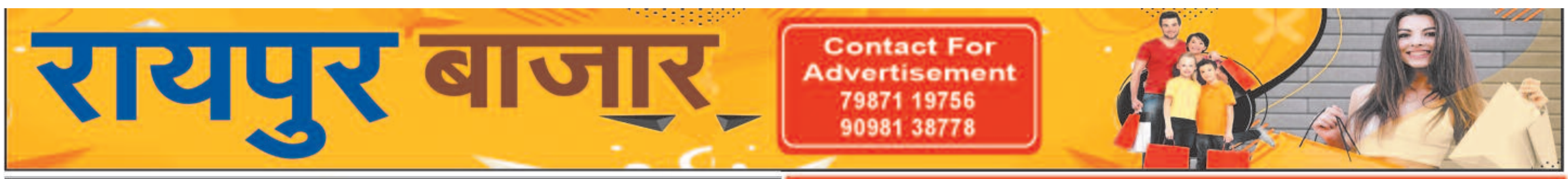

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जॉन सीना और रॉक की तरह एक्टर नहीं बने ब्रॉक लेसनर

रेसलमेनिया का 42वां एडिशन शानदार रहा। कई बड़े मैचों के बाद एक भावुक पल भी देखने को मिला, जब ब्रॉक लेसनर हार के बाद इमोशनल नजर आए। दरअसल, ओबा फेमी ने उन्हें मैच में हरा दिया। इसके बाद लेसनर काफी निराश दिखाई दिए। उन्होंने रिंग में अपने ग्लव्स और बूट्स उतार दिए। इसके बाद उनके मैनेजर पॉल हेमन ने भी रिंग में उन्हें गले लगाया। लेसनर ने फैंस को धन्यवाद देते हुए विदाई जैसा इशारा किया। इस बीच फैंस ने भी 'थैंक यू लेसनर' के नारे लगाते हुए उन्हें सम्मान से विदा किया। इसके बाद से ही लेसनर चर्चाओं में बने हुए हैं। बता दें कि ब्रॉक लेसनर ने आज तक किसी भी बड़े हॉलीवुड फिल्म में लीड या बड़ा एक्टिंग रोल नहीं किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दूसरे स्टार्स जैसे ड्वेन जॉनसन (द रॉक) और जॉन सीना की तरह उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादा कदम नहीं रखा। कहा जाता है कि उन्होंने खुद द रॉक के कुछ ऑफर्स भी ठुकरा दिए थे, क्योंकि उन रोल्स में उनके किरदार को फाइट सीन हारना पड़ता। अगर उनकी एक्टिंग या फिल्मों की बात करें, तो उनकी मौजूदगी बहुत ही कम रही है। फिल्म फॉक्सकैचर (2014) में वह एक सीन में बैकग्राउंड रेसलर के तौर पर नजर आए थे, लेकिन उनका नाम क्रेडिट में नहीं था। वहीं द पर्ज वॉर पार्ट 1 (2021) नाम की एक शॉर्ट फिल्म में उन्हें परेड बायस्टैंडर के छोटे से रोल में देखा गया। फिल्मों में कम नजर आने के बावजूद, ब्रॉक लेसनर कई डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा रहे हैं।

टॉलीवुड

कारा का ट्रेलर जारी, चोर-पुलिस का दिखा रोमांचक खेल

साउथ के मशहूर अभिनेता धनुष की अपकमिंग फिल्म 'कारा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें संकट के दौर पर आधारित एक एक्शन ड्रामा की झलक देखने को मिली है। ट्रेलर में धनुष एक बैंक लुटेरे की भूमिका में नजर आए हैं। 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, युद्ध के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े असर और गंभीर ईंधन संकट की कहानी बयां करती है। 2 मिनट 28 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत अखबारों की उन सुर्खियों से होती है, जिनमें युद्ध की घटनाओं का जिक्र है। इसमें संकट के समय भारत के नागरिकों के बीच फैली अशांति को दिखाया गया है। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धनुष कई बैंक लूटते हैं। जब धनुष अपनी लगातार चोरियों से बैंकों में कोहराम मचा देते हैं, तो सूरज वेंजारामूडु उन्हें पकड़ने का फैसला करते हैं और फिर शुरू होता है चोर-पुलिस का रोमांचक खेल। पुलिस और लुटेरे के बीच होने वाली इस रोमांचक दौड़ के अलावा, ट्रेलर में फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी दिखाया गया है। एक दृश्य में ममिता बैजू, धनुष से उनकी चोरियों के बारे में सवाल करती हुई नजर आती हैं। विग्नेश राजा 'कारा' का निर्देशन कर रहे हैं। यह उनके करियर की दूसरी फिल्म है। धनुष के अलावा, इस फिल्म में ममिता बैजू, के.एस. रविकुमार, जयराम, पृथ्वी पांडियाराजन, सूरज वेंजारामूडु, एम.एस. भास्कर और श्रीजा रवि जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भोजपुरी

खेसारी ने इंफ्लुएंसर अभिषेक को किया रोस्ट, बैटलग्राउंड 2 में दिखा अलग अंदाज

खेसारी लाल यादव भोजपुरी के जाने-माने स्टार हैं। इन दिनों वह एक रियलिटी शो बैटल ग्राउंड का हिस्सा हैं। इस शो में उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। खासकर बिग बॉस फेम अभिषेक मल्हान को रोस्ट करने से वह बाज नहीं आते हैं। हालिया रिलीज प्रोमो में भी उनका यही रूप देखने को मिला। खेसारी लाल यादव 'बैटल ग्राउंड' के दूसरे सीजन में जज, मेंटर के रोल में हैं। जब एक प्रतियोगी को अपनी टीम में लेने की बात आई तो अभिषेक पीछे हटते दिखे। ऐसे में खेसारी बोले- 'आप कहते हैं, ये अच्छे हैं लेकिन अपनी टीम में नहीं लेते हैं और मुझसे पूछते रहते हैं। देखिए, ऐसा लगता है कि आप मुझसे पूछकर ही सब काम करते हैं।' खेसारी की यह बात सुनकर बाकी मेंटर हंसने लगे। अभिषेक को भी खेसारी की बातें सुनकर हंसी आ गई। बैटलग्राउंड 2 एक इंडियन फिटनेस रियलिटी शो है। इसमें काफी मुश्किल शारीरिक और मानसिक टास्क प्रतियोगियों को पूरे करने पड़ते हैं। खेसारी लाल यादव, अभिषेक मल्हान के अलावा प्रियंका चाहर चौधरी, शिखर धवन इस शो में बतौर जज, मेंटर नजर आ रहे हैं। यह शो 17 अप्रैल से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रीमियर हो रहा है।

लाइफ स्टाइल

करीना का शाही अंदाज

करीना कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्टाइल के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। एक ज्वेलरी इवेंट में उनका ट्रेडिशनल और मॉडर्न का मेल हर किसी का ध्यान खींचा। यह लुक सादगी, शाहीपन और क्लास का खूबसूरत मिश्रण था, जिसमें हर डिटेल खास नजर आ रही थी। उन्होंने फिलोरी कुर्ता सेट पहना। गहरे नीले रंग का अज्रख प्रिंट था। नीचे की ओर उन्होंने साधारण पैंट्स की जगह डिजाइनदार सलवार पहनी, जिसमें स्ट्राइप्स और कढ़ाई का सुंदर मेल था। इसने पूरे लुक को हल्का विंटेज और शाही एहसास दिया।

मेकअप करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान त्वचा रहेगी स्वस्थ, चेहरा लगेगा सुंदर

मेकअप करने से पहले कुछ जरूरी कदम उठाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल आपका मेकअप बेहतर दिखता है, बल्कि आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहती है। सही तरीके से त्वचा की देखभाल करने से मेकअप लंबे समय तक बना रहता है और चेहरे पर चमक आती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने मेकअप को और भी बेहतर बना सकते हैं।

त्वचा को साफ करें : मेकअप करने से पहले सबसे पहला कदम है कि अपनी त्वचा को अच्छी तरह से साफ करें। इसके लिए आप हल्के फेसवॉश का उपयोग कर सकते हैं, जो आपकी त्वचा की गंदगी और तेल को दूर करे। यह कदम आपके चेहरे को ताजगी देगा और मेकअप के लिए एक साफ आधार तैयार करेगा। इसके बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें और टॉवल से हल्के-हल्के पोंछ लें।

टोनर का करें इस्तेमाल : फेसवॉश के बाद टोनर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है।

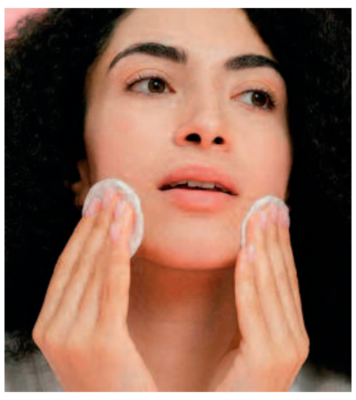

टोनर आपकी त्वचा के छिद्रों को बंद करने में मदद करता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है। इसके लिए आप रूई पर थोड़ा सा टोनर लगाकर अपने पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होगी और मेकअप भी बेहतर तरीके से जमेगा। टोनर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को निखारता है और उसे स्वस्थ बनाए रखता है।

धूप से बचाव का उपाय करें

अगर आप बाहर जाने वाले हैं तो धूप से बचाव के उपाय करना बहुत जरूरी है। यह आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है और त्वचा को जलने से बचाता है। इसके लिए **SPF** 30 या उससे ऊपर की सुरक्षा वाला क्रीम का उपयोग करें। इसे अपने चेहरे और गर्दन दोनों पर अच्छी तरह लगाएं ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे। इस तरह इन कदमों को अपनाकर आप अपने मेकअप रूटीन को और भी प्रभावी बना सकते हैं।

प्राइमर लगाएं

प्राइमर आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है। यह आपके चेहरे की अनियमितताओं को छुपाता है और त्वचा को चिकना बनाता है ताकि फाउंडेशन अच्छी तरह से लग सके। इसके लिए आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार प्राइमर चुन सकते हैं, जैसे कि तेलीय त्वचा वालों के लिए मैटिफाइंग प्राइमर अच्छा रहता है। इससे आपका मेकअप स्मूद और लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपका चेहरा निखरा हुआ दिखता है।

गर्मियों के लिए आदर्श विकल्प है फूलों के प्रिंट वाली शर्ट, इन तरीकों से करें स्टाइल

फैशन

फूलों के प्रिंट वाली शर्ट गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि आपको आकर्षक भी दिखाती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स बताएंगे, जिनसे आप अपनी फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को अलग-अलग अंदाज में पहनकर हर मौके पर खास दिख सकती हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी अलमारी को नया रूप दे सकती हैं और हर दिन नए अंदाज का आनंद ले सकती हैं।

जींस के साथ पहनें : फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को जींस के साथ पहनना एक शानदार तरीका है। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको साधारण और आकर्षक लुक भी देता है। आप हल्के रंग की जींस के साथ एक हल्की फूलों वाली शर्ट पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। इस तरह का पहनावा आप रोजमर्रा की जिंदगी में या दोस्तों के साथ बाहर जाने पर पहन सकती हैं।

स्कर्ट के साथ बनाएं खास : अगर आप किसी खास मौके पर जाना चाहती हैं तो अपनी फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को स्कर्ट के साथ पहनें। यह मेल आपको एक अलग ही ग्लैमर देता है। आप लंबी या छोटी स्कर्ट, किसी भी प्रकार की चुन सकती हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि स्कर्ट का रंग शर्ट के फूलों से मेल खाता हो, ताकि आपका लुक एक जैसा लगे। इस तरह का पहनावा पार्टी या किसी विशेष अवसर पर बहुत अच्छा लगता है।

शॉर्ट्स के साथ मिलेगा नया लुक : गर्मियों में ठंडक पाने के लिए शॉर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। अगर आप इसे अपनी फूलों वाली शर्ट के साथ पहनती हैं तो आपका लुक और भी खास लगता है। आप डेनिम शॉर्ट्स या सूती शॉर्ट्स, किसी भी प्रकार को चुन सकती हैं, जो आपके लिए आरामदायक हों। इस तरह का पहनावा आप सुबह की सैर पर या दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाते समय पहन सकती हैं।

बेल्ट का करें इस्तेमाल : अगर आपकी फूलों वाली शर्ट थोड़ी ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाने से आपका लुक और भी खास लगेगा। बेल्ट आपकी कमर को उभारती है और आपको स्मार्ट दिखाती है। आप पतली या चौड़ी बेल्ट का उपयोग कर सकती हैं, जो आपके स्टाइल पर निर्भर करता है।

लिनन शर्ट न केवल आरामदायक बल्कि दिखती है स्टाइलिश, देती है ठंडक

गर्मियों के लिए लिनन शर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प हैं, जो न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती हैं। इनका कपड़ा हल्का और सांस लेने योग्य होता है, जिससे गर्मियों में ठंडक मिलती है। लिनन शर्ट्स की खासियत यह है कि ये पसीने को जल्दी सोखती हैं और जल्दी सूख जाती हैं। आइए आज हम आपको लिनन शर्ट पहनने के पांच फायदे बताते हैं, जो आपके फैशन सेंस को और भी बढ़ा देंगे।

गर्मियों के लिए बेहतरीन कपड़ा : लिनन एक प्राकृतिक कपड़ा है, जो हवा को अच्छे से गुजरने देता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है और पसीना जल्दी सूख जाता है।

लिनन शर्ट्स पहनने से आप लंबे समय तक आरामदायक महसूस करते हैं, खासकर जब तापमान बढ़ता है तो लिनन शर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प बन जाती हैं। यह न केवल आपको ठंडक देती हैं बल्कि धूप में भी आपको ताजगी का एहसास करवाती हैं। इसलिए इन्हें गर्मियों के लिए बेहतरीन कपड़ा माना जाता है।

पसीने को जल्दी सोखती

लिनन शर्ट्स पसीने को जल्दी सोखती हैं और जल्दी सूख जाती हैं, जिससे आपको असुविधा महसूस नहीं होती। यह खासियत इन्हें रोजमर्रा के पहनावे के लिए आदर्श बनाती है। पसीने को सोखने और सूखने की क्षमता के कारण लिनन शर्ट्स पहनकर आप पूरे दिन ताजगी महसूस करते हैं। इसके अलावा यह त्वचा के संपर्क में आने पर भी कोई जलन नहीं होती, जिससे लिनन शर्ट्स पहनना और भी आरामदायक हो जाता है।

मजबूत और टिकाऊ : लिनन शर्ट्स बहुत मजबूत होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं। इनके निर्माण में प्रयुक्त धागे इन्हें टिकाऊ बनाते हैं। नियमित धोने पर भी इनकी गुणवत्ता बरकरार रहती है। लिनन कपड़े की खासियत यह है कि यह धीरे-धीरे मुलायम होता जाता है, जिससे पहनने में आरामदायक महसूस होता है।

पुरुषों के लिए सूट स्टाइलिंग जो आपको दिखाता है स्टाइलिश, बढ़ाता है आत्मविश्वास

सूट पहनना पुरुषों के लिए एक पारंपरिक और पेशेवर अंदाज है। यह न केवल आपको स्टाइलिश दिखाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी देता है। अगर आप सूट पहनने में नए हैं तो कुछ बुनियादी सुझाव आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। सही फिटिंग चुनना, रंगों का चयन करना, कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान देना, एक्सेसरीज का सही उपयोग करना और जूतों का चयन करना ये सभी अहम हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने लुक को और बेहतर बना सकते हैं।

सही फिटिंग का चुनाव करें : सूट की फिटिंग सबसे अहम होती है। अगर आपका सूट सही तरीके से फिट नहीं होता तो वह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता है। इसलिए हमेशा अपने शरीर के आकार के

अनुसार ही सूट सिलवाएं या खरीदें। ध्यान रखें कि कंधे, छाती और कमर की फिटिंग सही होनी चाहिए ताकि आप आरामदायक महसूस करें और पेशेवर दिखें। इसके अलावा हाथों की लंबाई भी सही होनी चाहिए ताकि आप आसानी से अपनी गतिविधियों को कर सकें।

रंगों का चयन समझदारी से करें : सूट का रंग भी बहुत अहम होता है। काले, ग्रे और गहरे नीले जैसे पारंपरिक रंग ऑफिस के माहौल में अच्छे लगते हैं। अगर आप थोड़ा अलग दिखना चाहते हैं तो हल्के रंग जैसे बेज या हल्के भूरे रंग का चुनाव कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपनी त्वचा की रंगत और बालों के रंग के अनुसार भी रंग चुन सकते हैं ताकि आपका लुक संतुलित और आकर्षक लगे।

कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान दें : सूट खरीदते समय उसके कपड़े की गुणवत्ता पर खास ध्यान दें। ऊन, लिनन या सूती जैसे अच्छे कपड़े लंबे समय तक चलते हैं और बेहतर दिखते हैं। सस्ते कपड़ों से बचें क्योंकि वे जल्दी खराब हो जाते हैं और उनका लुक भी अच्छा नहीं लगता।

कार्नर न्यूज

सही कपड़े पहनने से आप न केवल पेशेवर दिखते हैं, बल्कि आपको आराम और आत्मविश्वास भी मिलता है

ऑफिस की मीटिंग में दिखना चाहते हैं स्मार्ट तो कुछ बातों पर करना होगा फोकस

ऑफिस की मीटिंग में अच्छा दिखना बहुत जरूरी है। यह न केवल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि आपकी पेशेवर छवि को भी मजबूत करता है। सही कपड़े पहनने से आप न केवल पेशेवर दिखते हैं, बल्कि आपको आराम और आत्मविश्वास भी मिलता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपनी ऑफिस मीटिंग के लिए सही कपड़े चुन सकते हैं और हमेशा बेहतरीन दिख सकते हैं।

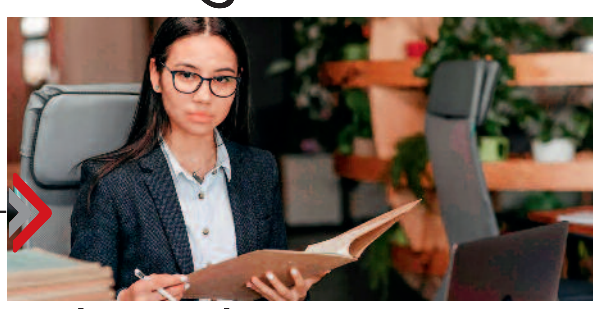

कपड़ों का चयन सोच-समझकर करें

ऑफिस की मीटिंग के लिए कपड़े चुनते समय हमेशा अपने कामकाजी माहौल को ध्यान में रखें। अगर आपका ऑफिस बहुत औपचारिक है तो सूट या औपचारिक शर्ट-पैंट का चयन करें। अगर ऑफिस थोड़ा कम औपचारिक है तो कुर्ता-पैंट या ब्लाउज-स्कर्ट का विकल्प चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि कपड़े

सही रंग चुनें

रंगों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे शांति और गंभीरता का संदेश दें। नीला, काला, ग्रे और सफेद जैसे रंग हमेशा सुरक्षित विकल्प होते हैं, क्योंकि ये गंभीरता और भरोसे का अहसास कराते हैं। इसके अलावा हल्के पेस्टल रंग भी अच्छे दिखते हैं और ताजगी का एहसास देते हैं। ध्यान रखें कि बहुत चमकीले या अजीब रंगों से बचें, क्योंकि ये कामकाजी माहौल में उपयुक्त नहीं माने जाते।

फिटिंग पर ध्यान दें

कपड़ों की फिटिंग बहुत अहम होती है। ढीले या बहुत टाइट कपड़े पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को बिगाड़ सकते हैं। सही फिटिंग वाले कपड़े न केवल आपको आरामदायक महसूस कराते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को भी निखारते हैं। अगर आपके पास सही फिटिंग वाले कपड़े नहीं हैं तो उन्हें सिलवाएं या नया बनवाएं। हमेशा ध्यान रखें कि कपड़े आपके शरीर के आकार के अनुसार होने चाहिए, ताकि आप पेशेवर और आत्मविश्वासी दिखें।

एक्सेसरीज भी पहनें

एक्सेसरीज आपकी पोशाक को पूरा करती हैं, इसलिए इन्हें सही तरीके से चुनना जरूरी है। बहुत ज्यादा गहने पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को बनावटी बना सकते हैं। इसके बजाय साधारण गहने, जैसे सोने या चांदी की बालियां और एक पतली चेन पहनें। महिलाओं के लिए एक सरल घड़ी या ब्रेसलेट अच्छा विकल्प हो सकता है। पुरुषों के लिए एक अच्छी गुणवत्ता वाली घड़ी चुनें, जो आपके पेशेवर लुक को पूरा करे।

जूते और बैग भी हैं अहम

जूते और बैग भी आपके लुक का अहम हिस्सा होते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज न करें। औपचारिक जूते हमेशा अच्छे दिखते हैं, इसलिए उन्हें अपने अलमारी में शामिल करें। महिलाओं के लिए हील्स या फ्लैट्स, दोनों ही अच्छे विकल्प हो सकते हैं। बस ध्यान रखें कि वे आरामदायक हों, ताकि पूरे दिन उन्हें पहनने में कोई दिक्कत न हो। बैग भी औपचारिक होना चाहिए, जिसमें जरूरी चीजें आसानी से समा सकें।